जबलपुर गुरुवार 25 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी

वर्ष 32 अंक 01 मूल्य ₹3.00 पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

32वां स्थापना दिवस

स्वतंत्र मत

जिले में 28 जून से शुरू होगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो ▸▸ 2

डॉ. देव की चिंता सृष्टि को सोचने पर मजबूर करती है ▸▸ 7

मंत्री राव की पहल पर राज्यसभा सांसद नारोलिया ▸▸ 8

संकल्प का विकल्प नहीं

महाकौशल और विन्ध्य क्षेत्र की धड़कन बन चुके 'स्वतंत्र मत' आज अपने प्रकाशन के 32वें वर्ष में प्रवेश कर गया है। 'स्वतंत्र मत' का स्थापना दिवस मात्र एक तिथि या वर्षगांठ नहीं, बल्कि सत्य, लोक-जागरण और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण के संकल्प को नवीनीकृत करने का अवसर है। यह दिन उस अटूट विश्वास का उत्सव है, जो पाठकों और 'स्वतंत्र मत' के बीच 31 वर्षों से कायम है।

आज के आज के तकनीकी युग में, जब खबरें पलक झपकते ही दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुँच जाती हैं, तब चुनौती सिर्फ खबर देने की नहीं,

विशेष संपादकीय
राजेन्द्र मिश्रा

बल्कि उस खबर की सत्यता, निष्पक्षता और गहराई बनाए रखने की है। इस बदलते दौर में, सूचनाओं की बाढ़ है और सोशल मीडिया के युग में सत्य और भ्रम के बीच की रेखाएं धुंधली हो रही हैं, तब एक विश्वसनीय अखबार का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इस स्थापना दिवस पर, हम पुन: अपने संकल्प को दोहराते हैं कि हम निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितैषी पत्रकारिता के अपने मूल सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करेंगे। हमारी प्राथमिकता हमेशा राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों की रक्षा करना होगी।

हमें यह कहने में कोई संकोच नहीं होता कि बीते 31 वर्षों की यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हमारे पाठक रहे हैं। आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। अखबार और पाठक का रिश्ता महज एक ग्राहक का नहीं, बल्कि एक सजग प्रहरी के रूप में साथ चलने का है। आपके द्वारा उठाए गए मुद्दे, आपका समर्थन और यहाँ तक कि आपकी आलोचनाएं भी हमें बेहतर और अधिक जिम्मेदार बनाती हैं। इस विशेष अवसर पर, हम अपने सभी पाठकों, संवाददाताओं और उन सभी शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस कारवां को यहाँ तक पहुँचाया है। आईए, एक नए वर्ष की शुरुआत में हम सब मिलकर एक ऐसे समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं, जो जागरूक हो, सशक्त हो और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण हो।

जो एक बार मध्यप्रदेश आता है, यहीं का होकर रह जाता है: डॉ. यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समय तभी बदलता है, जब संकल्प बड़ा होता है। सभी भारतीयों के लिए यह गर्व का विषय है कि

मुख्यमंत्री ने विकसित मध्यप्रदेश पर आयोजित कॉन्क्लेव को किया संबोधित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का समय बदला है। विश्व के कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को विभूषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत-2047 और अर्थव्यवस्था को 30 ट्रिलियन डॉलर पहुंचाने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार का यह प्रयास होगा कि इसमें से लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर का योगदान मध्यप्रदेश का हो। मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री के सेवा, सुशासन और जन कल्याण के संकल्पों को पूर्ण करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश की गिनती देश के सबसे तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में हो रही है। हम विरासत भी और विकास भी के पथ पर लगातार अग्रसर हो रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 'विकसित मध्यप्रदेश' विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव में शामिल उद्योगपतियों से राज्य में मौजूद निवेश संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की विशेषता है कि एक बार जो मध्यप्रदेश आता है, यहीं का होकर रह जाता है। कार्यक्रम में उद्योग व्यापार जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि तथा नीति निर्माता शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पिछले तीन साल से विकास का कारवां लगातार आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में नए उद्योग स्थापित करने के लिए पर्याप्त लैंड बैंक है। राज्य सरकार ने उद्योग अनुकूल वातावरण तैयार करने लिए पारदर्शी और उद्योग मित्र नीतियां लागू की हैं। मध्यप्रदेश की इन्हीं विशेषताओं के कारण निवेशक उद्योग लगाने के लिए राज्य में आ रहे हैं। देश के मध्य में स्थित होने के कारण उन्हें कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स का विशेष लाभ भी मिलेगा। प्रदेश सरकार ने चारों दिशाओं में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए अधोसंरचना विकास पर विशेष बल दिया है।

10 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें अभूतपूर्व निवेश प्राप्त हुआ और एमओयू साइन हुए। यह प्रसन्नता का विषय है कि 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को राज्य सरकार धरातल पर ला चुकी है। मध्यप्रदेश की छवि कृषि प्रधान राज्य के साथ उद्योग मित्र राज्य की भी बनी है। राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग और रोजगार को समर्पित किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय युवा प्रतिभाओं ने दुनिया की बड़ी से बड़ी कंपनियों में शीर्ष पदों पर पहुंचकर भारत का मान बढ़ाया है। स्पेस टेक्नोलॉजी में भारतीय वैज्ञानिकों ने नए कीर्तिमान गढ़े हैं। राज्य सरकार ने भी अपनी स्पेस-टेक पॉलिसी लॉन्च की है। मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

सुप्रीम फैसला : प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस को नहीं मिलेगी सरकारी फीस

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ईडब्ल्यूएस आय सीमा और निजी मेडिकल कॉलेज फीस को लेकर याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि निजी कॉलेजों को सरकारी कॉलेजों जैसी फीस लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता क्योंकि सरकारी संस्थानों को सरकार से अनुदान मिलता है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने टिप्पणी करते हुए कहा कि निजी कॉलेजों में अगर कोई छात्र फीस वहन नहीं कर सकते तो स्कॉलरशिप समेत अन्य विकल्प जैसे सबवेंशन या अन्य वित्तीय सहायता के विकल्प उपलब्ध हैं। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि सरकारी संस्थानों को सरकार से अनुदान मिलता है, जबकि निजी संस्थान अपनी फीस से चलते हैं और अगर निजी मेडिकल कॉलेजों को पर्याप्त फीस लेने से रोका गया तो चिकित्सा शिक्षा में उनका योगदान प्रभावित होगा। इस याचिका में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कैटेगरी के लिए 8 लाख रुपये सालाना आय की सीमा और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की भारी फीस भरने पर सवाल उठाया गया था। याचिका में कहा गया था कि ईडब्ल्यूएस क्राइटेरिया के तहत क्वालिफाई करने वाले कई छात्र एमबीबीएस कोर्स का खर्च नहीं उठा सकते, क्योंकि इनकी सालाना फीस लगभग 19 लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक हो सकती है। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि प्राइवेट संस्थानों को सरकारी कॉलेजों जैसी फीस लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। प्राइवेट कॉलेज सरकारी जैसे नहीं हो सकते हैं।

वित्तीय सहायता के विकल्प भी हैं

इस मुद्दे पर फैसला देते हुए जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि अगर कोई छात्र फीस वहन नहीं कर सकता है, तो स्कॉलरशिप, सबवेंशन या अन्य वित्तीय सहायता के विकल्प उपलब्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि कोई व्यक्ति आकर यह नहीं कह सकता कि प्राइवेट संस्थानों की फीस बहुत ज्यादा है, इसलिए उसे सरकारी संस्थानों जैसा कर दिया जाए। सरकारी संस्थानों को सरकार से अनुदान मिलता है, जबकि निजी संस्थान खुद की फंडिंग से चलते हैं। इसलिए प्राइवेट संस्थानों की तुलना सरकारी कॉलेजों से नहीं की जा सकती है।

देश को डॉक्टरों की जरूरत

उन्होंने आगे कहा कि देश को अधिक डॉक्टरों की जरूरत है और निजी मेडिकल कॉलेज इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में निजी कॉलेजों की फीस अधिक है केवल इसलिए उन्हें सरकारी कॉलेजों के बराबर फीस लेने का आदेश नहीं दिया जा सकता। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज करते हुए यह स्पष्ट किया कि इस मामले से जुड़ा कोई व्यापक कानूनी प्रश्न भविष्य में उठाया जा सकता है।

राजस्थान का भी उठा मामला

वहीं, राजस्थान हाईकोर्ट ने भी निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस संरचना को वैध माना था और कहा था कि राज्य की फीस नियामक समिति द्वारा सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार ही फीस तय की गई है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की 8 लाख रुपये के वार्षिक आय सीमा और निजी मेडिकल कॉलेजों की ऊंची फीस के बीच कथित विरोधाभास को लेकर राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल की गई अपील पर सुनवाई के बाद उसे खारिज कर दिया।

शिवसेना उद्धव गुट को संसद में ऑफिस खाली करना होगा

मुंबई/नई दिल्ली

शिवसेना (यूबीटी) को संसद भवन में अपना मौजूदा ऑफिस खाली करना पड़ सकता है। संसद भवन के नियमों के मुताबिक, सिर्फ 5 या उससे ज्यादा सांसदों वाली पार्टी को संसद भवन में ऑफिस मिल सकता है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे ही छह सांसदों के शिंदे गुट में विलय को औपचारिक मान्यता दे देते हैं। यूबीटी के पास सिर्फ 4 सांसद (3 लोकसभा और 1 राज्यसभा) रह जाएंगे। ऐसे में संसद भवन में उन्हें अपना मौजूदा ऑफिस (128ए) खाली करना पड़ सकता है। पार्टी के दो लोकसभा सांसद अनिल देसाई और अरविंद सावंत बुधवार शाम लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हमने स्पीकर साहब से कहा कि अगर कोई आपके पास बागी गुट का पत्र आया है तो हमें बताएं। पर अभी ऐसा कुछ नहीं आया है और हमें कागज नहीं मिला। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में 22 जून को बगावत हो गई थी। लोकसभा के कुल 9 में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। शिंदे के साथ सभी 6 सांसदों ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टूट का ऐलान किया। शिंदे ने कहा, जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए। उद्धव के शिवसेना का मुखिया रहते पार्टी में 4 साल में यह दूसरी बड़ी बगावत है।

टूट के बाद सांसदों की संख्या 5 से कम हुई

केंद्रीय मंत्री को मिली 4 धार्मिक सजा

चंडीगढ़। जातिसूचक टिप्पणी से जुड़े विवाद में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रवनीत सिंह बिट्टू बुधवार को पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष पेश हुए। आयोग के सामने उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से विस्तृत पक्ष रखा। उन्होंने यह भी दोहराया कि वह इस मामले में पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुके हैं। सुनवाई के दौरान आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने बिट्टू को सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश देने के लिए चार प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक स्थलों पर जाकर नतमस्तक होने की सलाह दी। आयोग अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि बिट्टू श्री हरि मंदिर साहिब अमृतसर, डेरा बल्लां जालंधर, राम तीर्थ स्थल, अमृतसर और डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े फिल्लौर स्थित स्मारक पर जाकर श्रद्धा प्रकट करें।

केरल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

देवी-देवताओं, भारत माता के नाम पर नहीं ले सकते शपथ

नई दिल्ली। केरल हाई कोर्ट ने शपथ को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कहा कि स्थानीय निकायों के चुने हुए प्रतिनिधि शपथ लेते समय कानून में तय शब्दों से बाहर नहीं जा सकते। यानी शपथ ईश्वर के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। उसमें देवी-देवताओं, भारत माता, किसी संगठन, राजनीतिक शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना मान्य नहीं है। इसी आधार पर अदालत ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के कुछ पार्षदों की शपथ को अवैध माना। कोर्ट ने कहा कि अपनी तरफ से कोई भी नया शब्द जोड़ना पूरी तरह गलत माना जाएगा। यह मामला तब अदालत पहुंचा जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम

के 20 पार्षदों ने शपथ लेते समय अलग-अलग हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव, अपने राजनीतिक आंदोलन के शहीदों के नाम लिए। इसी से जुड़ी एक दूसरी याचिका पलक्कड़ जिले के वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत सदस्य की शपथ को लेकर भी थी। उस सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी। इन दोनों मामलों को देखते हुए हाई कोर्ट ने पूछा कि क्या कानून शपथ के तय प्रारूप से बाहर जाने की इजाजत देता है। न्यायमूर्ति पी.वी. कुन्हीकृष्णन ने अपने फैसले में कहा कि केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट, केरल पंचायत राज एक्ट के तहत शपथ का सिर्फ दो ही तरीका है। पहला, ईश्वर के नाम पर शपथ लेना। दूसरा, ईश्वर का नाम लिए बिना सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करना। अदालत ने साफ कहा कि ईश्वर शब्द का दायरा बढ़ाकर किसी खास देवी-देवता, भारत माता, राजनीतिक शहीद, संगठन या व्यक्ति का नाम जोड़ना कानून के खिलाफ है।

कन्फ्यूजन में लिया था कार्तिकेय का नाम : राहुल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान के बीच चल रहे मानहानि केस की मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में बुधवार को भी सुनवाई हुई। राहुल ने लिखित आवेदन में अपने पुराने बयान पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा- बयान कार्तिकेय के संदर्भ में नहीं था। उसे उसी रूप में देखा जाना चाहिए। मामले की सुनवाई जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ में हुई। कोर्ट ने राहुल गांधी के आवेदन पर कार्तिकेय सिंह चौहान से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता का पक्ष आने के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को होगी। अब इस केस में समझौते की संभावना बढ़ती दिखाई दे रही है। हाईकोर्ट में पेश आवेदन में राहुल गांधी ने कहा- उनका बयान शिकायतकर्ता के संबंध में नहीं था। भाषण के दौरान गलती से कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम आ गया था। विवादित बयान के अगले दिन राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वे छत्तीसगढ़ के तत्कालीन सीएम रमन सिंह के बेटे अभिषेक का नाम लेना चाहते थे, लेकिन कन्फ्यूजन में कार्तिकेय का नाम ले लिया।

हाईकोर्ट में समझौते की संभावना

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12.07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिर गया। घटना में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 21 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा चुका है। सभी घायलों को इलाज के लिए एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कंक्रीट ढलाई का काम चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, रेस्क्यू में कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज और सेना भी जुटी है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। गैस कटर से लोहे की छड़ों को काटा जा रहा है। मलबे में दबे मजदूरों-कर्मचारियों की चीखें भी सुनाई दे रही हैं, उनके जल्द से जल्द रेस्क्यू के प्रयास जारी हैं।

एआई चैटबॉट ने अदालत में वकील को दी मात

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब सिर्फ अजीबोगरीब तस्वीरें बनाने या डीपफेक वीडियो तक सीमित नहीं रह गया है। एआई ने आखिरकार वो काम कर दिखाया है जिसके लिए उसे असल में बनाया गया था, इंसानों की मदद करना। हाल ही में ब्रिटेन में एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां एक एआई चैटबॉट ने अदालत में एक इंसानी वकील को हराकर मुकदमा जीत लिया है। ब्रिटेन में तामीरेस कमाल ताकीदिर नाम की एक फ्रीलांस एचआर ने अपनी बकाया फीस न मिलने पर एक हॉस्पिटैलिटी कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। ब्रिटेन में कोई भी कानूनी लड़ाई लड़ने का मतलब है- वकीलों की भारी-भरकम फीस और लंबा खर्चा। लेकिन, तामीरेस ने किसी महंगे वकील के बजाय गारफील्ड एआई नाम के लीगल चैटबॉट का सहारा लिया। इस चैटबॉट ने ना सिर्फ केस के सभी कागजात तैयार किए, बल्कि अदालत में अपनी रणनीति से विपक्षी वकील को मात भी दे दी। इस केस में सबसे हैरान करने वाली बात वकीलों की फीस रही। जिस काम के लिए इंसानी वकील लाखों रुपये वसूलते, वो काम गारफील्ड एआई ने महज 400 पाउंड (लगभग 50 हजार रुपये) में कर दिया। एआई की मदद से तामीरेस ने यह केस जीत लिया और उन्हें अदालत से 7,000 पाउंड (लगभग 8.79 लाख रुपये) का मुआवजा मिला।

एआई ने कैसे लड़ा ये केस?

गारफील्ड एआई को पिछले अप्रैल में ब्रिटेन की सॉलिसिटर्स रेगुलेशन अथॉरिटी से मंजूरी मिल गई थी। इस केस में ट्रायल से पहले का सारा कानूनी काम, चार गवाहों के बयान और जरूरी दस्तावेजों की फाइलिंग एआई ने खुद की। ट्रायल शुरू होने से ठीक पहले, गारफील्ड ने अपनी तरफ से बहस करने के लिए वन एसेक्स कोर्ट के एक जूनियर बैरिस्टर, डोमिनिक ली को काम पर रखा।

बैरिस्टर ने भी की तारीफ

मई में वैंड्सवर्थ काउंटी कोर्ट में तीन घंटे तक बहस चली। अंत में फैसला एआई और उनकी क्लाइंट के पक्ष में आया। केस खत्म होने के बाद जूनियर बैरिस्टर डोमिनिक ली ने भी एआई की तारीफ करते हुए कहा, इस ट्रायल के लिए गारफील्ड एआई के जरिए तैयार किए गए दस्तावेज मेरी जरूरत से कहीं ज्यादा पक्के और सटीक थे।

क्या है गारफील्ड एआई?

गारफील्ड एआई के फाउंडर का नाम फिलिप यंग है। यह दुनिया की पहली ऐसी लॉ फर्म है जिसे सिर्फ एआई के जरिए कानूनी सेवाएं देने के लिए अधिकृत किया गया है। यह फर्म इंग्लैंड और वेल्स के स्मॉल क्लेम्स कोर्ट में कंपनियों और आम लोगों को लगभग 12.5 लाख रुपये तक के छोटे कर्ज और दावों को वसूलने में मदद करती है।

हम खेती करते हैं, इंडस्ट्री नहीं चलाते

खेतों में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर से किसानों में आक्रोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र विद्युत वितरण कंपनी की नई व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। अप्रैल 2026 से शुरू हुई योजना के तहत जबलपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में आने वाले किसानों के खेतों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं और अब बिजली का बिल खपत के आधार पर वसूला जा रहा है। किसानों ने आरोप लगाते हुए बताया कि पहले जहां उन्हें साल में 2 बार एकमुश्त राशि जमा करनी पड़ती थी, वहीं अब हर महीने हजारों रुपए के बिल भेजे जा रहे हैं। किसानों ने इस फैसले को तुगलकी फरमान बताते हुए विरोध शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि खेती को उद्योग की तरह मानकर बिजली बिल वसूलना अन्याय है। पाटन तहसील के किसानो ने बताया कि अप्रैल में उनके खेत में स्मार्ट मीटर लगाया गया। शुरुआत में उन्हें 4 हजार रुपए का बिल मिला। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि व्यवस्था बाद

में ठीक हो जाएगी, लेकिन बिल लगातार बढ़ता गया।

बिल में भारी भरकम बढ़ोत्तरी

कुछ दिन पहले जब किसान ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत लेकर बिजली कार्यालय पहुंचे, तब कई किसानों को 17 हजार से 33 हजार रुपए तक के बिजली बिल थमा दिए गए। इससे किसानों में नाराजगी फैल गई।

किसानों का कहना है कि यदि हर महीने इसी तरह बिल आया तो सालभर में लाखों रुपए बिजली पर खर्च करने पड़ेंगे, जिससे खेती करना मुश्किल हो जाएगा। किसानों का कहना है कि वे खेती करते हैं, कोई उद्योग नहीं चलाते। उन्हें केवल सिंचाई के समय बिजली की जरूरत होती है, जबकि विभाग 24 घंटे बिजली आपूर्ति का तर्क देकर मीटर आधारित बिल वसूल रहा है। किसान ने बताया कि तहसील सीमा से कुछ दूरी पर स्थित किसानों के लिए पुरानी व्यवस्था लागू है, लेकिन शहरी क्षेत्र में आने वाले किसानों को जबरन स्मार्ट मीटर योजना में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेती के लिए पहले जो निर्धारित दर थी, किसान वही भुगतान करने को तैयार हैं।

विभागों के चक्कर काट रहे किसान

किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि कई जगह लगाए गए स्मार्ट मीटर कुछ ही दिनों में खराब हो गए। पाटन क्षेत्र में कुछ मीटर जलने की शिकायत भी सामने आई है। किसानों का कहना है कि विभाग ने खराब मीटर हटाए जरूर हैं, लेकिन नई व्यवस्था को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही।

बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भारत सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। विभाग का दावा है कि पहले शहरों में और अब तहसील क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

सिविल सुपरवाइजर मदन प्रसाद देव के मुताबिक किसान चाहें तो 10 घंटे वाले कृषि फीडर पर बने रह सकते हैं, जहां पुरानी व्यवस्था लागू रहेगी। लेकिन यदि वे 24 घंटे बिजली आपूर्ति वाले कनेक्शन का उपयोग करते हैं तो उन्हें खपत के अनुसार बिल देना होगा।

आंदोलन की तैयारी में किसान

विभाग के मुताबिक जबलपुर ग्रामीण क्षेत्र में 46 हजार स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य है, जिनमें से लगभग 38 हजार मीटर लगाए जा चुके हैं। अब अंतिम चरण में किसानों के खेतों में मीटर लगाने का काम किया जा रहा है। इधर बढ़ते बिजली बिल और स्मार्ट मीटर व्यवस्था के विरोध में किसानों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यदि सरकार और बिजली विभाग ने व्यवस्था में बदलाव नहीं किया तो वे संगठित होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। किसानों का आरोप है कि नई व्यवस्था खेती की लागत बढ़ाकर उन्हें खेती छोड़ने पर मजबूर कर सकती है।

जलापूर्ति व्यवस्था दुरूस्त करने नगर निगम ने शुरू की व्यापक तैयारियां

महापौर, निगमायुक्त ने की तैयारियों की समीक्षा, दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के नागरिकों को गर्मी के दिनों में भी पर्याप्त पानी मिल सके, इसके लिए नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। इस पूरी व्यवस्था को जमीनी धरातल पर लाने के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने जल विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में महापौर श्री अन्नू और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने निर्देश दिए हैं कि शहर के किसी भी कोने में पानी की किल्लत नहीं होनी चाहिए। जल संसाधन के बेहतर प्रबंधन और तकनीकी दिक्कतों को तुरंत दूर करने के लिए अधिकारियों को फील्ड पर मुस्तैद रहने को कहा गया है नगर निगम के बेड़े में शामिल हुए 10 अतिरिक्त पानी के टैंकर बैठक में महापौर श्री अन्नू ने बताया कि नगर निगम ने उन क्षेत्रों के लिए विशेष तैयार की है, जहां अभी तक पाइप लाइन नहीं बिछ पाई है या जहां पानी का दबाव कम रहता है। समीक्षा बैठक में उन्होंने बताया कि ऐसे सभी क्षेत्रों में अतिरिक्त पानी के टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। बैठक में महापौर और निगमायुक्त ने जानकारी देते हुए कहा कि जलापूर्ति प्रबंधन को और अधिक बेहतर, त्वरित और प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम के बेड़े में 10 अतिरिक्त पानी के टैंकरों को शामिल किया गया है। इन नए टैंकरों की मदद से प्रभावित क्षेत्रों में बिना किसी देरी के पानी पहुंचाया जा सकेगा। जिन क्षेत्रों में पाइप लाइन नहीं है, वहां भी पानी की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। नए टैंकरों के आने से हमारी पानी सप्लाई को और मजबूत मिलेगी।

दहेज प्रताड़ना से परेशान महिला ने पीया कीटनाशक

सिहोरा (स्वतंत्र मत) ।

ग्राम अमगवां में एक महिला द्वारा कीटनाशक का सेवन करने का मामला सामने आया । महिला ने अपने पति, देवर और सास पर दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने तथा मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम अमगवां निवासी 26 वर्षीय हेमलता पटेल पत्नी अजीत पटेल ने बताया कि शादी के कुछ दिनों बाद से ही पति अजीत पटेल, सास सुषमा और देवर सुजीत पटेल दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान करते थे।

महिला का आरोप है कि उसके साथ आए दिन मारपीट भी की जाती थी। उसका छह माह का बेटा भी उससे अलग कर लिया गया ।

वह वर्तमान में अपने मायके में रह रही थी। मंगलवार को जब वह अपने बेटे को लेने ससुराल पहुंची, तो उसके साथ कथित रूप से मारपीट की गई। इससे परेशान होकर उसने मंगलवार रात कीटनाशक का सेवन कर लिया। बुधवार सुबह महिला ने घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर तहसीलदार और पुलिस मौके पर पहुंचे तथा महिला के बयान दर्ज किए गए।

मामले में पति, देवर और सास के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सुरेन्द्र ठाकुर निवासी चौकीताल ने बताया कि 23 मई को वह अपने रिश्तेदार राजेश गौड़ एवं अनिल गौड़ के साथ गुरू कृपा पेट्रोल पम्प शहपुरा के पास पहुँचे तभी नटवारा तरफ से ट्रक क्रमांक एमपी 20 जेड एन 9638 का चालक तेज गति से आया और उसकी बाइक में टक्कर मार दिया जिससे बाइक अनियंत्रित होकर गिर गयी। पीछे बैठे उसके चाचा ससुर अनिल गोड़ के सिर के उपर से ट्रक का चक्का चढ गया। जिन्हें सिर में गम्भीर चोटें आने से 40 वर्षीय अनिल गौंड़ की मौके पर मृत्यु हो गयी, ट्रक का चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। जिसके बाद पुलिस ने ममला दर्ज करते हुए अपराध पंजीबद्ध किया है।

नशामुक्ति जनजागरूकता फैलाने कई विभागों को दिया गया प्रशिक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में नशामुक्ति जनजागरूकता एवं मास्टर वालंटियर्स प्रशिक्षण हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, नारकोटिक्स विभाग, ग्रामीण एवं शहरी निकायों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के अधिकारियों कर्मचारियों और प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण सोनम बर्वे ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशामुक्त भारत अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी पहुंचाना तथा जनसामान्य को इसके प्रति जागरूक करना है। उन्होंने उपस्थित मास्टर वालंटियर्स से अपने आसपास के लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने तथा समाज में व्यापक जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण शिविर में विशेषज्ञ वक्ताओं ने नशे के दुष्परिणाम, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव, ड्रग डी.एडिक्शन, कैंसर, अवसाद तथा नशा मुक्ति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

पिता-पुत्र ने युवक पर किया जनलेवा हमला

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मझगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलैया मंदिर के पास बुधवार शाम कचरा जलाने से मना करने पर पिता-पुत्र द्वारा एक युवक पर लाठी-डंडे से हमला करने का मामला सामने आया । हमले में युवक के सिर पर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। पुलिस ने घायल को मुलाहिजा के लिए शासकीय सिविल अस्पताल सिहोरा भेजा, जहां उसके सिर में कई टांके लगाए गए। घायल की पहचान 34 वर्षीय मयूर गुप्ता पिता प्रदीप गुप्ता, निवासी मझगवां के रूप में हुई है। बताया गया कि भारत नामदेव और उसका बेटा सुधीर नामदेव मयूर गुप्ता के घर के सामने कचरा जला रहे थे। मयूर ने कचरा जलाने से मना किया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद दोनों ने लाठी-डंडे से मयूर पर हमला कर दिया। हमले में उसके सिर में चोट लगी और खून की धार फूट पड़ी। घटना की सूचना मिलने पर मझगवां पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल भेजा। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

नशीले पदार्थों के कारोबार पर सख्ती से रोक लगायें: कलेक्टर

जबलपुर ।

स्कूली बच्चों को नशे के दुष्प्र भावों के प्रति जागरूक करने जिले में 15 से 31 जुलाई तक अभियान चलाया जायेगा। यह जानकारी आज बुधवार कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित एनकॉर्ड (नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर) की जिला स्तररीय बैठक में दी गई। कलेक्ट्र कार्यालय में संपन्ना हुई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में नशे के अवैध कारोबार पर कड़ी निगरानी रखने तथा दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूलों और कॉलेजों के 100 मीटर के दायरे में स्थित पानए गुट्खा की

दुकानों को हटाने के तथा नशीले पदार्थों का विक्रय पाए जाने के मामलों में त्वरित एवं कठोर दंडात्मक कार्रवाई की हिदायत अधिकारियों को दी। इसके साथ ही उन्हों ने छात्रावासों और पुर्नवास गृहों की नियमित रूप से जांच करने के निर्देश भी दिये।

श्री सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा महिला एवं बाल विकास के साथ स्कूलों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने स्कूली बच्चोंक को नशे के दुष्प्रेभावों के प्रति जागरूक करने चलाये जाने वाले अभियान में शैक्षणिक परिसरों को ड्रग फ्री जोन घोषित करने पर जोर दिया। उन्होंने अभियान के अंतर्गत स्कूली बच्चोंड के लिए निबंध एवं पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिये।

पौधारोपण कर बावड़ी का किया पूजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर के निकट जुझारी ग्राम में स्थित प्राचीन बावड़ी का जनसेवा समिति ने साफ सफाई एवं गहरीकरण का काम कराया। इस बाबडी के कायाकल्प के पश्चात मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ब्लाक के जुझारी गांव के हनुमान मंदिर मे जल चौपाल, बाबडी पूजन ,पौधारोपण का कार्यक्रम बुधवार को जनपद पंचायत सिहोरा की अध्यक्ष रश्मि मनेद्र अग्निहोत्री,अनिल चौधरी ,धर्मेंद्र सिंह राजपूत की मौजूदगी मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खा गया की हर व्यक्ति को अपनी दैनिक दिनचर्या में जल बचाने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने सामुदायिक सहभागिता से जल स्रोतों को बचाने पर जोर दिया। जनपद सदस्य अनिल चौधरी धमेन्द सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा की 'जल गंगा संवर्धन योजना' के तहत क्षेत्र भर के प्राचीन जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया जा रहा है उन्होंने युवाओं समेत सभी से इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर ममता चौबे, नर्मदा दुबे, नरेंद्र चौबे आदि उपस्थित रहे।

पशु अवशेषों से भरा पिकअप वाहन मिलने से मचा हड़कंप

गोहलपुर इलाके का मामला, जांच मे जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोहलपुर इलाके में मंगलवार देर रात पशु अवशेषों और हड्डियों से भरा एक पिकअप वाहन पकड़ा गया। हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गाड़ी को रोककर पुलिस को सूचना दी। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पिकअप में गौवंश के अवशेष ले जाए जा रहे थे। इधर सूचना मिलने पर गोहलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को जब्त कर लिया। ड्राइवर से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह हड्डियां और पशु अवशेष भेड़ाघाट स्थित नर्मदा जिलेटिन फैक्ट्री लेकर जा रहा था। ड्राइवर के मुताबिक फैक्ट्री में मृत पशुओं की हड्डियों का उपयोग किया जाता है।

इधर नर्मदा जिलेटिन फैक्ट्री प्रबंधन ने इस खेप से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि उन्हें इस पिकअप और उसमें रखे सामान की कोई जानकारी नहीं है। पुलिस ने पिकअप में मिले पशु अवशेषों और हड्डियों को जांच के लिए भेज दिया है। अब विशेषज्ञों की रिपोर्ट से पता चलेगा कि ये अवशेष किस जानवर के हैं। मामले को लेकर

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। यदि अवैध पशु वध या तस्करी की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच पूरी होने तक शांति बनाए रखने की अपील कर रही है।

केंट बोर्ड स्कूल के आदेश से अभिभावकों में आक्रोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जय महाकाल संघ अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया रामकृष्ण तिवारी ने बताया कि केंट बोर्ड कटंगा स्वामी विवेकानंद हायर सेकंडरी स्कूल में अचानक 6 से 9वीं कक्षा तक के हिन्दी मीडियम के बच्चों को केंट बोर्ड के लाल स्कूल और गोराबाजार स्थित स्कूल में भेजने या टीसी लेने के आदेश का हिटलरशाही निर्णय लिया गया। जिससे अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त हो गया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि गरीब एवं मध्यम परिवारों के मासूम बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्हें इसी स्कूल में नियमित किया जाए अचानक इस तरह का तुगलकी फरमान स्वीकार नहीं किया जाएगा अन्यथा इसके विरुद्ध धरना प्रदर्शन एवं पास्को एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज कराई जाएगी। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में अभिभावक, माताएं बहनें एवं मासूम बच्चे उपस्थित रहे।

मप्र में मानसून की एंट्री, जल्द तरबतर हो सकता है शहर

सामान्य तारीख से 9 दिन लेट हुई मानसून की एंट्री

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश में बुधवार को 9 दिन की देरी से मानसून की एंट्री हो गई । मानसून आने की सामान्य तारीख 15 जून रहती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून अगले 4 दिन में पूरे मध्य प्रदेश को कवर कर सकता है। इसी के साथ मानसून ने अब देश के 22 राज्यों को कवर कर दिया है। इधर संस्कारधानी में बुधवार को मौसम के कड़े तेवरों ने शहरवासियों को हलाकान कर दिया।

सुबह के समय आसमान में कुछ देर के लिए बादलों की हल्की आवाजाही जरूर हुई, जिससे लोगों को थोड़ी राहत की उम्मीद बंधी थी। लेकिन यह राहत बेहद क्षणिक साबित हुई और कुछ ही देर में बादल आसमान से पूरी तरह

नदारद हो गए। इसके बाद चमचमाती धूप के साथ हवा में उमस का ग्राफ तेजी से बढ़ गया, जिसने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। दिन चढ़ने के साथ ही पारे में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसने गर्मी के प्रभाव को और ज्यादा तीखा कर दिया। बुधवार को अधिकतम तापमान 38.0 तो वहीं न्यूनतम तापमान 25.4 दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 से 4 दिनों अंदर तेज बारिश होने की संभावना है।

डिहाइड्रेशन की बढ़ी शिकायतें

बुधवार को तेज धूप और हवा में घुली भारी उमस के इस डबल अटैक ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और जो लोग जरूरी काम से बाहर निकले, वे गर्मी और पसीने से तर-बतर होकर बेचैन नजर आए। कूलर और पंखे भी इस उमस भरी गर्मी के आगे बेअसर साबित हो रहे थे। मौसम में आ रहे इस अचानक उतार-चढ़ाव और उमस भरे माहौल के बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसे बदलते मौसम में शरीर का तापमान असंतुलित होने से वायरल इंफेक्शन, मौसमी बुखार, सर्दी-खांसी और डिहाइड्रेशन का खतरा काफी बढ़ जाता है। इससे सुरक्षित रहने के लिए खान-पान में साफ-सफाई रखने, धूप में सीधे जाने से बचने और भरपूर मात्रा में पानी व तरल पदार्थों का सेवन करने की सख्त जरूरत है।

भारत एक कृषि प्रधान देश है और यहाँ का जीवन, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण मानसून पर बहुत अधिक निर्भर करता है। मानसून केवल एक मौसम नहीं बल्कि भारतीय जीवन की एक महत्वपूर्ण धुरी है, जो किसानों से लेकर आम जनता तक सभी को प्रभावित करता है। जून से सितंबर के बीच आने वाली वर्षा ऋतु देश में नई ऊर्जा और आशा लेकर आती है।

भारत में मानसून: प्रकृति में हरियाली का संचार

भारत एक कृषि प्रधान देश है और यहाँ का जीवन, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण मानसून पर बहुत अधिक निर्भर करता है। मानसून केवल एक मौसम नहीं बल्कि भारतीय जीवन की एक महत्वपूर्ण धुरी है, जो किसानों से लेकर आम जनता तक सभी को प्रभावित करता है। जून से सितंबर के बीच आने वाली वर्षा ऋतु देश में नई ऊर्जा और आशा लेकर आती है।

कृषि में मानसून की भूमिका- भारत की अधिकतर खेती वर्षा पर आधारित है। मानसून किसानों के लिए जीवनरेखा के समान है। अच्छी वर्षा होने पर धान, मक्का, कपास, गन्ना जैसी फसलें अच्छी तरह उगती हैं। इससे कृषि उत्पादन बढ़ता है और किसानों की आय में सुधार होता है। यदि मानसून समय पर और पर्याप्त मात्रा में आता है, तो देश की खाद्य सुरक्षा भी मजबूत होती है।

जल संसाधनों पर प्रभाव

मानसून जल संसाधनों को भरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्षा का पानी नदियों, झीलों, तालाबों और बांधों में भर जाता है। इससे पीने के पानी की उपलब्धता बढ़ती है और सिंचाई व्यवस्था मजबूत होती है। इसके साथ ही भूजल स्तर भी बढ़ता है, जो भविष्य के लिए बहुत आवश्यक है।

पर्यावरण और जैव विविधता

मानसून पर्यावरण को हरा-भरा और जीवंत बनाता है। वर्षा के कारण पेड़-पौधों को नया जीवन मिलता है और जंगलों में हरियाली बढ़ जाती है। पशु-पक्षियों की गतिविधियाँ भी बढ़ जाती हैं, जिससे जैव विविधता को लाभ होता है। मानसून प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संस्कृति और सामाजिक जीवन

भारतीय संस्कृति में मानसून का विशेष स्थान है। साहित्य, गीत, नृत्य और चित्रकला में वर्षा ऋतु का सुंदर वर्णन मिलता है। बारिश के मौसम में लोग आनंद महसूस करते हैं, बच्चे कागज़ की नाव चलाते हैं और त्योहारों में उत्साह बढ़ जाता है। यह मौसम लोगों के जीवन में खुशी और ताजगी लाता है।

पर्यटन और अर्थव्यवस्था

मानसून पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा देता है। बारिश के मौसम में पहाड़, झरने और प्राकृतिक दृश्य बहुत सुंदर दिखाई देते हैं। इससे पर्यटक आकर्षित होते हैं और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलते हैं। यह देश की अर्थव्यवस्था को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुँचाता है।

जल संरक्षण की आवश्यकता

मानसून के जल का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। वर्षा जल संचयन जैसे उपाय अपनाकर हम जल संकट को कम कर सकते हैं। इससे आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधन सुरक्षित रहेंगे।

प्रियांशी सेन
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, डुमना, जबलपुर

रेगिस्तानः जहां तपती रेत के बीच भी धड़कता है जीवन

पहली नज़र में रेगिस्तान केवल दूर-दूर तक फैली रेत, तेज धूप और पानी की कमी वाला निर्जन क्षेत्र दिखाई देता है। ऐसा लगता है कि यहाँ जीवन संभव ही नहीं होगा, लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। दुनिया के अनेक रेगिस्तानों में लाखों लोग, विविध वन्यजीव और अनोखी वनस्पतियाँ सदियों से कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपना जीवन सफलतापूर्वक जी रहे हैं। प्रकृति ने इन्हें ऐसे गुण दिए हैं, जिनकी बदौलत वे भीषण गर्मी, कम वर्षा और सीमित संसाधनों के बीच भी जीवित रहते हैं। रेगिस्तान में वर्षा बहुत कम होती है। कई क्षेत्रों में पूरे वर्ष मुश्किल से 10 से 25 सेंटीमीटर बारिश होती है। पानी की कमी के कारण यहाँ रहने वाले मनुष्यों, पशुओं और पौधों को हर बूंद का महत्व समझना पड़ता है। वर्षा जल का संग्रह, कुओं और भूमिगत जल का उपयोग तथा पानी का अत्यंत सावधानी से इस्तेमाल यहाँ के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रेगिस्तान के पौधे सामान्य पौधों से अलग होते हैं। इनमें पानी को लंबे समय तक अपने भीतर सुरक्षित रखने की क्षमता होती है। कई पौधों की पत्तियाँ काँटों में बदल जाती हैं, जिससे पानी का वाष्पीकरण कम होता है। उनकी जड़ें बहुत गहराई तक या दूर-दूर तक फैलती हैं, ताकि थोड़ी-सी नमी भी प्राप्त की जा सके। इसी कारण कैक्टस जैसे पौधे रेगिस्तान में आसानी से जीवित रहते हैं।

जानवरों की अद्भुत अनुकूलन क्षमता

रेगिस्तान के जीव भी अपने वातावरण के अनुसार ढल चुके हैं। ऊँट को रेगिस्तान का जहाज़ इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह कई दिनों तक बिना पानी के रह सकता है। उसके शरीर में ऊर्जा का विशेष भंडारण होता है और उसके चौड़े पैर रेत में धँसते नहीं हैं। लोमड़ी, साँप, छिपकली और कई छोटे जीव दिन की गर्मी से बचने के लिए रात में सक्रिय रहते हैं या बिलों में रहते हैं।

मनुष्य ने भी अपनाई विशेष जीवनशैली

रेगिस्तान में रहने वाले लोग मौसम के अनुसार अपने रहन-सहन को ढाल लेते हैं। वे हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनते हैं, जिससे शरीर गर्मी से बचा रहे। घर मोटी दीवारों और ऐसे निर्माण से बनाए जाते हैं, जिनमें अंदर का तापमान अपेक्षाकृत ठंडा बना रहे। कई स्थानों पर लोग सुबह और शाम के समय अधिक काम करते हैं तथा दोपहर की तेज गर्मी में आराम करते हैं।

नखलिस्तान, रेगिस्तान की जीवनरेखा

रेगिस्तान में जहाँ प्राकृतिक रूप से पानी उपलब्ध होता है, उसे नखलिस्तान कहा जाता है। इन स्थानों पर पेड़-पौधे उगते हैं, खेती होती है और लोगों की बस्तियाँ बसती हैं। नखलिस्तान यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण आधार होते हैं।

तकनीक ने बदली रेगिस्तान की तस्वीर

आज आधुनिक तकनीक ने रेगिस्तान में जीवन को पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान बना दिया है। ड्रिप सिंचाई, वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा, खारे पानी को मीठा बनाने की तकनीक और आधुनिक कृषि पद्धतियों की सहायता से कई रेगिस्तानी क्षेत्रों में खेती और विकास संभव हुआ है।

धरती के रहस्यमयी द्वीप, जहाँ इंसानों का प्रवेश प्रतिबंधित है

दुनिया में हजारों खूबसूरत द्वीप हैं, जहाँ हर साल लाखों पर्यटक घूमने जाते हैं। लेकिन कुछ द्वीप ऐसे भी हैं, जहाँ आम लोगों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। कहीं यह प्रतिबंध वहाँ रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए लगाया गया है, तो कहीं पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक अनुसंधान या अत्यधिक खतरे के कारण। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ रहस्यमयी द्वीपों के बारे में।

नॉर्थ सेंटिनल द्वीप, बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग

इस द्वीप को दुनिया के सबसे रहस्यमयी द्वीपों में गिना जाता है। यहाँ रहने वाली सेंटिनली जनजाति हजारों वर्षों से बाहरी दुनिया से लगभग पूरी तरह अलग है। भारत सरकार ने उनकी संस्कृति, स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा के लिए इस द्वीप पर आम लोगों का प्रवेश और इसके आसपास जाने पर भी प्रतिबंध लगाया है। बिना अनुमति यहाँ जाना कानूनन अपराध है।

स्नेक आइलैंड, जहाँ साँपों का राज है

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राज़ील के तट से लगभग 145 किलोमीटर दूर अटलांटिक महासागर में स्थित स्नेक आइलैंड को दुनिया के सबसे खतरनाक द्वीपों में माना जाता है। यहाँ अत्यधिक विषैले साँपों की बड़ी संख्या पाई जाती है। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए आम पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध है। केवल विशेष अनुमति के साथ वैज्ञानिक और शोधकर्ता ही यहाँ जा सकते है।

सर्टसी, प्रकृति की खुली प्रयोगशाला

इसका निर्माण 1963 में समुद्र के भीतर ज्वालामुखी विस्फोट से हुआ था। वैज्ञानिक यह जानना चाहते थे कि किसी नए द्वीप पर बिना मानव हस्तक्षेप के पौधे और जीव कैसे विकसित होते हैं। इसलिए यहाँ केवल सीमित वैज्ञानिकों को ही जाने की अनुमति है। यह आइसलैंड के पास अटलांटिक महासागर में स्थित है।

पोवेगलिया, इतिहास और रहस्य से घिरा द्वीप

कभी संक्रामक रोगों से पीड़ित लोगों के पृथक्करण (क्वारंटीन) के लिए उपयोग किया जाता था। बाद में यहाँ मानसिक चिकित्सालय भी संचालित हुआ। आज सुरक्षा और संरक्षण के कारण यहाँ आम लोगों का प्रवेश सीमित है।

आज धूप, कल बारिश! आखिर मौसम और जलवायु में क्या है अंतर?

हम अक्सर मौसम और जलवायु शब्दों का एक ही अर्थ में प्रयोग कर लेते हैं, जबकि दोनों अलग-अलग अवधारणाएँ हैं। मौसम हमें यह बताता है कि किसी स्थान पर इस समय वातावरण कैसा है, जबकि जलवायु किसी क्षेत्र के लंबे समय तक रहने वाले औसत मौसम का स्वरूप होती है। इन दोनों के बीच का अंतर समझना भूगोल और पर्यावरण अध्ययन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मौसम क्या है?

मौसम किसी स्थान पर किसी विशेष समय या दिन में वायुमंडल की स्थिति को दर्शाता है। इसमें तापमान, वर्षा, हवा की गति, आर्द्रता, बादल और धूप जैसी स्थितियाँ शामिल होती हैं। मौसम कुछ घंटों, दिनों या सप्ताहों में बदल सकता है।

जलवायु क्या है?

जलवायु किसी क्षेत्र के लगभग 30 वर्षों या उससे अधिक समय तक के मौसम के औसत स्वरूप को कहा जाता है। यह बताती है कि किसी स्थान पर सामान्यतः गर्मी, सर्दी, वर्षा और अन्य मौसमीय परिस्थितियाँ कैसी रहती हैं।

समय अवधि का अंतर

मौसम अल्पकालिक होता है और इसमें तेजी से बदलाव आ सकता है। दूसरी ओर, जलवायु दीर्घकालिक होती है और इसमें परिवर्तन धीरे-धीरे कई वर्षों या दशकों में दिखाई देता है।

परिवर्तन की गति

मौसम सुबह, दोपहर और शाम तक बदल सकता है। कभी तेज धूप होती है तो कुछ ही समय बाद बारिश शुरू हो जाती है। लेकिन जलवायु इतनी जल्दी नहीं बदलती; इसमें परिवर्तन लंबे समय में वैश्विक या क्षेत्रीय कारणों से होता है।

क्या भूकंप आने से पहले प्रकृति देती है कोई संकेत?

भूकंप प्रकृति की सबसे शक्तिशाली और अप्रत्याशित घटनाओं में से एक है। जब भी कहीं तेज़ भूकंप आता है, अक्सर यह चर्चा होती है कि क्या उसके आने से पहले प्रकृति कोई संकेत देती है? कई लोगों का दावा होता है कि जानवरों का असामान्य व्यवहार, कुओं के पानी में बदलाव या आसमान में अजीब रोशनी जैसे संकेत भूकंप का पूर्वाभास हो सकते हैं। लेकिन इन दावों पर भू विज्ञान क्या कहता है? आइए जानते हैं। भूकंप पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों के अचानक खिसकने से उत्पन्न होता है। वैज्ञानिकों ने वर्षों के शोध में पाया है कि भूकंप का सटीक समय, स्थान और तीव्रता पहले से बताने का अभी तक कोई विश्वसनीय तरीका उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि दुनिया का कोई भी देश आज भूकंप की सटीक भविष्यवाणी नहीं कर सकता। हालाँकि, कुछ प्राकृतिक घटनाएँ शोध का विषय बनी हुई हैं। कई बार भूकंप से पहले कुत्तों, पक्षियों, साँपों और अन्य जानवरों के असामान्य व्यवहार की रिपोर्ट मिलती है। कुछ स्थानों पर भूमिगत जल के स्तर या रासायनिक संरचना में बदलाव भी दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, कुछ वैज्ञानिकों ने भूकंप से पहले वायुमंडल में विद्युत परिवर्तन या हल्की रोशनी जैसी घटनाओं का भी अध्ययन किया है। लेकिन इन संकेतों की पुष्टि हर भूकंप से पहले नहीं होती, इसलिए इन्हें भरोसेमंद चेतावनी नहीं माना जा सकता।

हर साल ऊँचा हो रहा है दुनिया का सबसे युवा पर्वत हिमालय

जब हम हिमालय को देखते हैं, तो लगता है कि यह करोड़ों वर्षों से बिल्कुल वैसा ही होगा। लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय आज भी धीरे-धीरे ऊँचा हो रहा है। यह दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है और इसकी ऊँचाई में आज भी बदलाव हो रहा है। यही कारण है कि हिमालय भूगोल और भूविज्ञान के सबसे रोचक विषयों में गिना जाता है।

हिमालय का जन्म कैसे हुआ?

लगभग 5 करोड़ वर्ष पहले प्लेट टेक्टोनिक्स के कारण भारतीय प्लेट उत्तर की ओर बढ़ते हुए यूरेशियन प्लेट से टकराई। इस भीषण टक्कर से समुद्र के नीचे जमी चट्टानें ऊपर उठने लगीं और धीरे-धीरे हिमालय पर्वतमाला का निर्माण हुआ। यह प्रक्रिया लाखों वर्षों तक चलती रही और आज भी जारी है।

प्लेटों की टक्कर अभी भी जारी है

भारतीय प्लेट आज भी हर वर्ष लगभग 4 से 5 सेंटीमीटर की गति से उत्तर दिशा की ओर बढ़ रही है। जब यह यूरेशियन प्लेट से टकराती है, तो चट्टानों पर दबाव पड़ता है और वे ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इसी कारण हिमालय की ऊँचाई में हर वर्ष औसतन कुछ मिलीमीटर की वृद्धि होती है।

ऊँचाई बढ़ती है, लेकिन कटाव भी होता है

एक ओर प्लेटों की टक्कर हिमालय को ऊपर उठा रही है, तो दूसरी ओर बारिश, बर्फ़ नदियाँ और तेज हवाएँ उसकी चट्टानों का लगातार कटाव भी करती हैं। इसलिए हिमालय का विकास एक संतुलित प्रक्रिया है, जहाँ एक तरफ ऊँचाई बढ़ती है, वहीं दूसरी तरफ प्राकृतिक शक्तियाँ उसे घिसती भी रहती हैं।

क्या है भूकंप से संबंध?

हिमालय क्षेत्र में बार-बार आने वाले भूकंप भी इसी प्लेटीय टक्कर का परिणाम हैं। जब दोनों प्लेटों के बीच जमा तनाव अचानक मुक्त होता है, तो भूकंप आता है। यही कारण है कि हिमालयी क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है।

वैज्ञानिक कैसे जानते हैं कि हिमालय बढ़ रहा है?

आज वैज्ञानिक उपग्रहों, जीपीएस तकनीक और अत्याधुनिक भू-वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से पर्वतों की ऊँचाई और प्लेटों की गति को मापते हैं। इन अध्ययनों से पता चला है कि हिमालय के कई भाग आज भी धीरे-धीरे ऊपर उठ रहे हैं।

मध्यप्रदेश का भूगोल

- राज्य का स्थापना वर्ष- 1 नवंबर, 1956
- राजकीय भाषा- हिन्दी
- राज्य का क्षेत्रफल- 3,08,252 वर्ग किमी
- उत्तर से दक्षिण की लंबाई- 605 किमी
- पूर्व से पश्चिम की चौड़ाई- 870 किमी
- राज्य की सीमा से लगे राज्य- उ.प्र., महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान एवं गुजरात
- राजकीय पुष्प- पलाश
- राजकीय वृक्ष- बरगद (वट वृक्ष)
- राजकीय पशु- बारहसिंगा
- राजकीय पक्षी- दूधराज (एशियन पैराडाइश फ्लाई कैचर) इसे शाहे बुल-बुल के नाम से भी जाना जाता है।
- राजकीय नदी- नर्मदा
- राजकीय नाट्य- माच
- राजकीय नृत्य- राई
- राजकीय गान- मेरा मध्यप्रदेश है। (महेश श्रीवास्तव द्वारा लिखित)
- राजकीय खेल- मलखंब
- राजकीय मछली- महाशीर
- राजकीय फसल- सोयाबीन
- राज्य का सबसे ऊँचा स्थान- धूपगढ़ पहाड़ी
- राज्य का सबसे नीचा स्थान- नर्मदा घाटी
- सर्वाधिक गर्म स्थान- खजुराहो
- सबसे ठंडा स्थान- शिवपुरी
- सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान- कान्हा किसली

मध्यप्रदेश को कितना जानते हैं?

1. प्रदेश का मानक समय मध्यप्रदेश के रीवा जिले के पास से गुजरता है।
2. अमरकंटक विंध्य, सतपुड़ा और मैकाल पर्वतों का संगम क्षेत्र माना जाता है।
3. मैकल पर्वतमाला सतपुड़ा का महत्वपूर्ण भाग है।
4. मध्य प्रदेश में 12 राष्ट्रीय उद्यान और अनेक वन्यजीव अभयारण्य हैं।
5. कूनो राष्ट्रीय उद्यान में भारत में चीता पुनर्स्थापना परियोजना शुरू की गई।
6. चंबल नदी मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा बनाती है।
7. बेतवा नदी पर स्थित ओरछा अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।
8. मध्य प्रदेश का अधिकांश भाग काली और लाल मिट्टी से ढका है, जो कृषि के लिए उपयुक्त है। मालवा का पठार अपनी उपजाऊ काली मिट्टी के लिए प्रसिद्ध है। निमाड़ क्षेत्र कपास उत्पादन के लिए जाना जाता है।

वन विभाग के अधिकारी बने खरीददार बाघ कंकाल के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

कान्हा नेशनल पार्क से लगे बैहर वन विभाग ने एक सुनियोजित कार्रवाई करते हुए वन्यप्राणियों के संदिग्ध अवयवों की अवैध खरीद-फरोख्त में शामिल छह आरोपियों को पकड़कर बाघ तस्करी के एक संभावित नेटवर्क का पर्दाफाश किया हैं। इस कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से दो अलग-अलग संदिग्ध कंकाल एवं हड्डियां बरामद की गई हैं, जिन्हें प्रथम दृष्टया बाघ के अवशेष माना जा रहा हैं। बरामद सामग्री की वैज्ञानिक पुष्टि के लिए फॉरेंसिक जांच कराई जा रही हैं। जानकारी के अनुसार, 21 जून को वन विभाग को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि कुछ लोग वन्यप्राणियों के अवशेषों की खरीद-फरोख्त करने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग के अधिकारियों ने विशेष रणनीति तैयार की और खुद खरीददार बनकर आरोपियों तक पहुंचे। योजनाबद्ध तरीके से की गई इस कार्रवाई के दौरान अवयव

बेचने आए छह लोगों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से दो अलग-अलग संदिग्ध कंकाल और हड्डियां बरामद हुईं।

आरोपियों ने बताया बाघ की हड्डियां

वन परिक्षेत्र अधिकारी कर्दभ भट्ट ने बताया कि आरोपियों ने बताया कि बरामद अवशेषों में से एक बाघ की हड्डियां मंडला जिले के बम्हनी बंजर क्षेत्र से लाई गई थीं। वहीं दूसरे कंकाल को कहां से लाया गया, इस संबंध में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है, इसकी गहन जांच कर रहे हैं। उन्होने कहा कि पुष्टि वैज्ञानिक परीक्षण और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही कहा जा सकता हैं कि दोनों कंकाल किस वन प्राणी के हैं।

यह हैं तस्कर

मामले में जिन आरोपियों को अभिरक्षा में लिया गया है उनमें रामलाल टेकाम (52 वर्ष) निवासी ग्राम कुरवाही मंडला, दशरथ परते (45 वर्ष) निवासी बिछिया मंडला, भीम सिंह परते निवासी हर्राभाट परसवाड़ा, रविन्द्र सोनकुसरे निवासी छपारा, राजकुमार सोनकुसरे निवासी छपारा तथा देवीदयाल ढोढरे निवासी छपारा शामिल हैं। वन विभाग ने बताया कि छह आरोपियों में से पांच को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया हैं, जबकि देवीदयाल ढोढरे से पूछताछ जारी हैं।

और भी हो सकते हैं शामिल

अधिकारियों का मानना है कि इस मामले में और भी लोग शामिल हो सकते हैं तथा इसके तार किसी बड़े वन्यजीव तस्करी गिरोह से जुड़े होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। इसी कारण आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है ताकि इस अवैध कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके। प्रकरण में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इनकी रहीं भूमिका

इस पूरी कार्रवाई को सफल बनाने में वन परिक्षेत्र अधिकारी कर्दभ भट्ट, वन विभाग के देवेंद्र मरावी, ओंकार चौधरी, नरेंद्र मर्सकोले, अरुणेंद्र शेखर तिवारी, प्रमोद बंजारी, चंद्रशेखर मरकाम, सूरज नायक और अक्षय यादव सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राइस मिल कर्मचारी की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

जिले के वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत धानीटोला के पास बुधवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में राइस मिल कर्मचारी की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान फूलचंद मर्सकोले (62 वर्ष) निवासी ग्राम बंडलटोला, कोचीवाही के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फूलचंद मर्सकोले वारासिवनी स्थित गायत्री राइस मिल में मिल चालान का कार्य करते थे। वे रोज की तरह बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे मोटरसाइकिल से घर से काम पर जाने के लिए निकले थे। धानीटोला के पास पहुंचते ही किसी कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें वारासिवनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

लघु वनोपज की राशि में जमकर बंदरबांट

स्टापडेम निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। दक्षिण वनमंडल अंतर्गत वनपरिक्षेत्र अधिकारी लालबर्रा के सरंक्षण में नियम को दरकिनार करते हुए स्टापडेम निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार करते हुए शासन की राशि में बंदरबांट करने की जानकारी प्राप्त हो रही हैं। मिली जानकारी अनुसार लालबर्रा अंतर्गत ग्राम कंजई बेरियर के पास स्टापडेम निर्माण कार्य के लिए लघु वनोपज मद से 14 लाख 98 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी। उपरोक्त निर्माण कार्य में कार्य एजेंसी वन परिक्षेत्र कार्यालय लालबर्रा सामान्य को बनाया गया। सूत्रों की माने तो उपरोक्त कार्य के लिए निविदा आर्मंत्रित की गई थी, सप्लायर के द्वारा गट्टी सिमेंट तथा अन्य सामग्री मौका स्थल पर पहुंचाई गई। सिमेंट सप्लायर को लाखों का भुगतान किया गया। जो कि फर्जी तरीके से शासन की राशि को बंदरबांट किया गया। मौका स्थल पर स्टीटमेंट अनुसार कार्य नही किया हैं। ग्रामीणों का कहना हैं कि वन विभाग के द्वारा कार्य को ठेकेदार से करवाया गया हैं। जो कि बहुत ही गुणवत्ताहीन हैं, इस संबंध में परिक्षेत्र सहायक पुरूषोत्तम सोनेवानी से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि मैं मात्र औपचारिक रूप से कार्य में शामिल हूं। संपूर्ण कार्य रेंजर मैडम के द्वारा करवाया गया हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 संघ पर लागू नही किया गया हैं। लघु वनोउपज संघ की स्थापना आदिवासियों के हितों के लिए तथा उनके उत्थान के लिए की गई थी कि किन्तु पारदर्शिता के अभाव में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डीएफओ तथा एसडीओ तथा रेंजर सभी की मिलीभगत से लघु वनोपज मद के कार्य में भारी आर्थिक अनियमितताएं की जा रही हैं। विभाग में चर्चा हैं कि सभी वरिष्ठ अधिकारियों का परसेंटेज फिक्स हैं।

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन नैक मूल्यांकन के संशोधित ढांचे पर हुआ विशेष व्याख्यान

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, कटंगी में आयोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) के दूसरे दिन बुधवार को नैक एक्रेडिटेशन रिवाइज्ड फ्रेमवर्क विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता, मूल्यांकन प्रणाली और संस्थागत विकास को बेहतर बनाना है। सत्र के मुख्य वक्ता कानपुर के वीएसएसडी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार द्विवेदी रहे। उन्होंने नैक मूल्यांकन के संशोधित ढांचे, विभिन्न मानदंडों, ग्रेडिंग प्रणाली तथा आवश्यक दस्तावेजों की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध कार्यों, अधोसंरचना विकास और छात्र-केंद्रित गतिविधियों को सुदृढ़ कर संस्थान बेहतर नैक ग्रेड प्राप्त कर सकते हैं। दोपहर 11:30 बजे से 1 बजे तक चले इस सत्र में उपस्थित प्राध्यापकों एवं प्रतिभागियों ने नैक मूल्यांकन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ द्वारा विस्तार से समाधान किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य एवं मुख्य संरक्षक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार बिंजड़े, सचिव केसर बिसेन, आईक्यूएसी समन्वयक उमाशंकर देशमुख सहित आयोजन समिति के सदस्य आदित्य बिसेन, शहर अंजुम, मोहम्मद जावेद एवं ओम राजपूत उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान परिवार ने मुख्य वक्ता तथा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ संस्थानों में गुणवत्ता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का आयोजन आईक्यूएसी एवं आयोजन समिति, शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, कटंगी द्वारा किया जा रहा है।

एरियर राशि के नाम पर 4 हजार की रिश्वत लेते लेखापाल रंगे हाथ गिरफ्तार

लोकायुक्त जबलपुर की कार्रवाई, शासकीय स्कूल के शिक्षक कक्ष में हुआ ट्रैप

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

लोकायुक्त पुलिस जबलपुर ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कायदी, वारासिवनी के लेखापाल वोमेंद्र कुमार रोकड़े को 4 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई बुधवार 24 जून को विद्यालय के शिक्षक कक्ष में की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहायक शिक्षक नरेंद्र कुमार डोहरे की वेतन विसंगति का जुलाई 2017 से दिसंबर 2023 तक का

एरियर 94 हजार 85 रुपये स्वीकृत हुआ था। इसमें से 66 हजार 557 रुपये का भुगतान पूर्व में हो चुका था, जबकि शेष 27 हजार 528 रुपये की राशि निकालने के एवज में लेखापाल वोमेंद्र रोकड़े द्वारा 4 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी।

शिकायत मिलने पर लोकायुक्त जबलपुर ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देश एवं पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन में ट्रैप कार्रवाई की गई। बुधवार को जैसे ही शिकायतकर्ता ने आरोपी को 4 हजार रुपये दिए, लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही हैं।

ट्रैप दल में निरीक्षक राहुल गजभिए, टीएलओ निरीक्षक जितेंद्र यादव सहित लोकायुक्त जबलपुर की टीम शामिल रही। लोकायुक्त संगठन ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो उसकी शिकायत तत्काल लोकायुक्त कार्यालय में करें।

ओलंपिक दिवस एवं विश्व हैंडबॉल दिवस पर उमरिया स्टेडियम में हैंडबॉल मैत्री मैच संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

ओलंपिक दिवस एवं विश्व हैंडबॉल दिवस के अवसर पर जिला हैंडबॉल संघ एवं क्रीड़ा भारती जिला उमरिया द्वारा नगर पालिका स्टेडियम उमरिया में हैंडबॉल मैत्री मैच का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनका खिलाडियों एवं खेल प्रेमियों ने भरपूर आनंद लिया।बालक वर्ग में क्रीड़ा भारती उमरिया कि टीम एवं भगत सिंह क्लब कि टीम के मध्य कड़ा मुकाबला हुआ। दोनों टीमों के खिलाडियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच में क्रीड़ा भारती उमरिया ने 11 गोल किए, जबकि भगत सिंह क्लब ने 17 गोल दागे। इस प्रकार भगत सिंह क्लब ने 6 गोलों के अंतर से जीत दर्ज कर

मुकाबला अपने नाम किया। बालिका वर्ग में व्हाइट वॉरियर्स एवं रेड वॉरियर्स के मध्य मैच खेला गया। व्हाइट वॉरियर्स ने 7 गोल किए, जबकि रेड वॉरियर्स ने 4 गोल किए। इस प्रकार व्हाइट वॉरियर्स ने 3 गोलों के अंतर से जीत दर्ज की। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग से जगदीश सिंह मसराम एवं मुकेश कुमार झारिया तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग से कृष्ण कुमार झारिया, राष्ट्रीय खिलाड़ी शिवम सोंधिया, राष्ट्रीय खिलाड़ी अतुल रजक एवं हॉकी के एनआईएस कोच राहुल बर्मन विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया तथा मैच का भरपूर आनंद लिया। प्रतियोगिता के संचालन में तकनीकी अधिकारियों के रूप में वीरेंद्र बैगा, मनीषा पेंद्रे एवं अंजली विश्वकर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस अवसर पर वरिष्ठ राष्ट्रीय खिलाड़ी आकाश वर्मा, राष्ट्रीय खिलाड़ी अखिलेश पांडे, राष्ट्रीय खिलाड़ी सूरज बर्मन, हैंडबॉल खेल प्रेमी प्रकाश कुशवाहा, वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित सिंह मार्को, राष्ट्रीय खिलाड़ी दुर्गेश साहू एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी अंकित बर्मन राष्ट्रीय खिलाड़ी रवि सिंह, सौरभ सोंधिया, अमरीश पांडे एवं प्रफुल्ल प्रजापति उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हैंडबॉल मैच का भरपूर आनंद लिया तथा खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। आयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की गईं। जिला हैंडबॉल संघ एवं क्रीड़ा भारती जिला उमरिया द्वारा आयोजित इस मैत्री मैच का उद्देश्य खिलाडियों में खेल भावना, अनुशासन एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है।

एमपीईबी हॉस्पिटल पाली में आरोग्य भारती के संयुक्त संयोजन में रक्तदान शिविर संपन्न, 89 रक्तदाताओं का पंजीयन

उमरिया (स्वतंत्र मत)

वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस की स्मृति में स्थानीय एमपीईबी हॉस्पिटल परिसर, पाली में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर समिति द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं महिला रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान कर रानी दुर्गावती के अद्वितीय साहस, त्याग एवं बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया। आयोजित रक्तदान शिविर में जिला रक्त केंद्र उमरिया की टीम द्वारा रक्त संग्रहण किया गया। शिविर का संचालन आरोग्य भारती के संयुक्त संयोजन में संपन्न हुआ, जिसमें सभी रक्तदाताओं एवं सामाजिक संगठनों की सहभागिता सराहनीय रही।इस अवसर पर

सिविल सर्जन डॉ. के.सी. सोनी ने रक्तदान शिविर के सफल आयोजन हेतु बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका आभार व्यक्त किया। वहीं गोंडवाना सेवा समिति, बिरसिंहपुर पाली द्वारा डॉ. के.सी. सोनी, सिविल सर्जन उमरिया तथा वीरेंद्र शर्मा, वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। शिविर में रक्तदान के लिए युवाओं के साथ-साथ महिला रक्तदाताओं का उत्साह विशेष रूप से देखने को मिला। रक्तदान हेतु कुल 89 रक्तदाताओं का पंजीयन किया गया। डॉ. के.सी. सोनी ने बताया कि शिविर से प्राप्त रक्त का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर सिकल सेल एनीमिया से पीडित रोगियों, थैलेसीमिया मरीजों तथा रक्त की कमी से जूझ रही गर्भवती महिलाओं के उपचार में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन माह में नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करता है, बल्कि इससे हृदय रोगों के जोखिम में कमी आती है तथा शरीर में नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया तेज होकर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिलती है। शिविर के सफल आयोजन पर सभी सामाजिक संगठनों, रक्तदाताओं एवं जिला रक्त केंद्र की टीम को बधाई दी गई तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

प्रधान मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड उमरिया ने किया जेल का निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्र मत)। प्रधान मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड पल्लवी सिंह उमरिया द्वारा जेल का निरीक्षण अवलोकन किया गया। इस अवसर पर विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित शिविर एवं किशोर न्याय से संबंधित प्रावधानो से बंदियों को अवगत कराया गया। महिला बैरक में 6 महिला बंदी 3 बच्चे तथा जेल में 18 से 25 वर्ष के कुल 25 युवा बंदी पाये गये। माननीय न्यायाधीश के द्वारा बंदियों से उनकी समस्या के बारे में पूछा गया। बंदियों के द्वारा कोई भी समस्या ना होना बताया गया। निरीक्षण के समय जेलर .. उप अधीक्षक माखन सिंह मार्को प्रमुख मुख्य प्रहरी शिवशंकर कोल, मो. शारिब एवं मेलनर्स श्रीमती कनिका रामपाल तथा जेल के ड्यूटीरत समस्त अधिकारी ध् कर्मचारी प्रहरी उपस्थित रहे।

फार्मेसी काउंसिल की अनियमितताओं एवं पंजीयन में हो रही देरी को लेकर एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन, जिला इकाई उमरिया द्वारा मंगलवार 23 जून को मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के नाम एक ज्ञापन उमरिया के एसडीएम श्री अंबिकेश सिंह जी को सौंपा गया। ज्ञापन में मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल, भोपाल में लंबे समय से चल रही अनियमितताओं, नए एवं नवीनीकरण पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) में हो रही अत्यधिक देरी तथा फार्मासिस्टों के साथ किए जा रहे अभद्र व्यवहार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। ज्ञापन में बताया गया कि भोपाल स्थित 1250 अस्पताल परिसर में संचालित मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल के कार्यालय द्वारा पूर्व में सार्वजनिक रूप से यह जानकारी दी गई थी कि किसी भी फार्मासिस्ट को काउंसिल कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है तथा सभी नए एवं नवीनीकरण पंजीयन आवेदन 10 दिनों के भीतर जारी कर दिए जाएंगे। इसके बावजूद प्रदेशभर के हजारों फार्मासिस्टों के रजिस्ट्रेशन छह माह से लेकर एक वर्ष तक लंबित पड़े हुए हैं, जिससे उन्हें नौकरी, मेडिकल स्टोर संचालन, शासकीय एवं निजी संस्थानों में नियुक्ति तथा अन्य व्यावसायिक कार्यों में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि जब रजिस्ट्रेशन की जानकारी प्राप्त करने के लिए फार्मासिस्ट स्वयं अपने खर्च पर भोपाल स्थित काउंसिल कार्यालय पहुंचते हैं, तब वहां कार्यरत कुछ कर्मचारियों द्वारा संतोषजनक उत्तर देने के बजाय अभद्र एवं अनुचित व्यवहार किया जाता है। जबकि रजिस्ट्रेशन की स्थिति की जानकारी प्राप्त करना प्रत्येक फार्मासिस्ट का वैधानिक एवं मौलिक अधिकार है। निर्धारित

शुल्क जमा करने के बावजूद समय-सीमा में रजिस्ट्रेशन जारी न होना काउंसिल की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल में वर्ष 2002 से, अर्थात लगभग 24 वर्षों से, अध्यक्ष पद सहित अन्य पदों के लिए नियमानुसार चुनाव संपन्न नहीं कराए गए हैं, जो लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी व्यवस्था के विपरीत है। इससे काउंसिल की जवाबदेही एवं कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रदेश के हजारों फार्मासिस्टों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए फार्मेसी काउंसिल की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच के लिए समिति गठित की जाए, नए एवं नवीनीकरण रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को लोक सेवा गारंटी की तर्ज पर निश्चित समय-सीमा में पारदर्शी तरीके से संचालित किया जाए तथा फार्मेसी काउंसिल में नियमानुसार शीघ्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराए जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी फार्मासिस्ट का पंजीयन अनावश्यक रूप से लंबित न रहे और प्रदेश के फार्मासिस्टों के हितों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन उमरिया के जिला अध्यक्ष प्रिंस छंगवानी, संभाग सचिव अनुराग तिवारी, जिला सचिव तेज सिंह ठाकुर एवं फार्मासिस्ट आशीष तिवारी,शुभम त्रिपाठी, अनमोल असाटी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् पाली
जिला - उमरिया म.प्र.
ULB Code-802194

क्र. / स्व.भा.मि. / 2026 / 955 दिनांक-23/06/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्व संबंधितो को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 अधिसूचित किए गए हैं, जो दिनांक 01 अप्रैल 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी हो गए हैं, और निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 लागू कर दिये गए हैं।

उक्त नियम के नियम क्र. 3 (झ / i) 6 एवं 10 में थोक कचरा उत्पादक (Bulk Waste Generator (BWG)) की श्रेणी के लिए वर्णित परिभाषा एवं प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार थोक कचरा उत्पादक की परिभाषा इस प्रकार है।

भारी मात्रा के अपशिष्ट जनित वो इकाइयां जो निम्नलिखित मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करते हो।

(i) 20,000 वर्ग मीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल (Floor Area) वाले भवन या

(ii) प्रतिदिन 40,000 लीटर पानी की खपत या

(iii) प्रतिदिन 100 किलोग्राम ठोस अपशिष्ट उत्पादन सम्मिलित है

उक्तानुसार निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मैरीज गार्डन, होटल / रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला, छात्रावास, सामुदायिक भवन, रहवासी संघ एवं अन्य संस्थान आदि जो कम से कम एक मानदंड को पूरा करते है तो वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम - 2026 के अनुसार थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में माने जावेंगे। ऐसे थोक कचरा उत्पादको को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम - 2026 का पालन किया जाना अनिवार्य है।

थोक कचरा उत्पादक हेतु दिशा निर्देश

1. सभी थोक कचरा उत्पादकों को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्रीकृत पोर्टल (Centralised Portal) पर पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है।
2. संस्थान में उत्पन्न गीले, सूखे एवं घरेलु खतरनाक अपशिष्ट को पृथक्कीकृत कर एकत्र करना ।
3. एकत्र गीले कचरे का संस्थान में ही निष्पादन करना ।
4. पिट कम्पोस्टिंग, बायोगेस या ओ. डब्यू. सी. मशीन या अन्य माध्यमों से कचरे का निष्पादन करना।
5. प्रतिदिन उत्पन्न कचरे के नियमानुसार प्रबंधन हेतु केयर टेकर को नियुक्त करना ।
6. निष्पादित गीले कचरे से उत्पन्न खाद का उपयोग करना ।
7. संस्थान से निकलने वाले सूखे एवं अन्य अपशिष्ट को निकाय के अधिकारिक कचरा संग्राहक को सौंपना।
8. प्रतिदिन प्रसंस्कृत किये गये गीले अपशिष्ट एवं उत्पन्न खाद की लॉग बुक का संधारण करना ।
9. यदि संस्थान अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण करने में असमर्थ है, तो नियमानुसार निकाय अथवा निकाय द्वारा अधिकृत संस्थान से गीले कचरे के प्रसंस्करण हेतु अनुबंध निष्पादन कर निकाय से विस्तारित थोक अपशिष्ट जनित उत्तरदायित्व प्रमाण पत्र (Extended Bulk Waste Generator Responsibility (EBWGR) Certificate) प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें ।
10. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के नियम क. 6 एवं 10 में वर्णित समस्त प्रावधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है।

उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी थोक कचरा उत्पादक अपने परिसर में ही कचरे का निष्पादन किया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा निकाय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी । यदि उल्लेखित संस्थान आदि उक्त अधिनियम का उल्लंघन करते पाए जाते है, तो संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी एवं राशि रूपये 200/- (जैसा निकाय द्वारा निर्णय लिया जाये) प्रतिदिन के मान से अर्थदण्ड आरोपित किया जाएगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद पाली

संस्थान ने मनाया योग दिवस

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जन शिक्षण संस्थान एवं जनजातीय कौशल केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में योगाचार्य डॉ. दयाशंकर ज्योतिषी ने उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराते हुए योग के शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्थानीय परिवाद समिति की जिलाध्यक्ष श्रीमती शिखा श्रीवास्तव रही विशिष्ट अतिथि के रूप में जन शिक्षण संस्थान प्रबंध मण्डल के सदस्य प्रदीप ढ़करिया एवं संस्थान के पूर्व निदेशक सुदीप ज्योतिषी रहे।

जन्मदिवस पर सेवा कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न जनसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रम में धर्म एवं मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष ऋचा गोस्वामी की गरिमामयी उपस्थिति में जिला कांग्रेस कार्यालय में राहुल गांधी का जन्मदिवस मनाया गया जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रेवांचल गार्डन में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया इसके पश्चात महिष्मती नर्मदा घाट पहुंचकर मां नर्मदा की आरती की गई तथा प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की गई कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यकर्ताओं ने वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजनों के बीच फल एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

पंतजलि समिति ने कराया योगा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में केंद्रीय विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पतंजलि पीठ के योग प्रशिक्षक सुनील बाली श्रीराम गोपाल पटेल राकेश गुप्ता श्री वैष्णव के सानिध्य में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी केंद्रीय विद्यालय के आग्रह पर विशेष योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने योग प्रशिक्षकों से ताड़ासन भुजंगासन एवं अनुलोम-विलोम कपालभाति जैसे प्राणायाम सीखे। छात्रों ने कहा कि योग से मन शांत हुआ और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ से हुआ। केंद्रीय विद्यालय के द्वारा अंत में पतंजलि पीठ के सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

शिकायतों पर लगेगा जुर्माना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने जिला योजना भवन में आयोजित समय-सीमा एवं विभागीय समंवय समिति की बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जन कल्याण शिविर, रोजगार मेला, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए।

वेयरहाउस का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाऊस की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने ईव्हीएम वेयरहाउस में विधिवत रूप से एंट्री कर प्रवेश लिया।

प्रतिमा अनावरण में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष ने कहा - आदिवासी समाज का गौरव और अस्मिता की प्रतीक थीं रानी दुर्गावती

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्र मत

महान वीरांगना गोंडवाना साम्राज्य की गौरवशाली शासिका एवं आदिवासी समाज की अस्मिता की प्रतीक रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के पावन अवसर पर घुघरी में मूर्ति अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से हजारों की संख्या में श्रृद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, युवा और महिलाएं शामिल हुईं। इस अवसर पर रानी दुर्गावती के अद्वितीय शौर्य, त्याग, स्वाभिमान और मातृभूमि के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिछिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने की। समारोह में आदिवासी समाज के धर्मगुरु परम श्रद्धेय दादा दुर्गे भगत जी एवं गुरुमाता दुर्गेश्वरी जी का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, कांग्रेस कार्यसमिति सीडब्ल्यूसी सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री एवं विधायक डिंडौरी ओमकार सिंह मरकाम, मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम, निवास विधायक चैनसिंह वरकड़े, पूर्व विधायक बरगी संजय यादव, जिला कांग्रेस कमेटी मंडला के जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले सहित अनेक वरिष्ठ सामाजिक सियान, धर्माचार्य, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। प्रतिमा अनावरण होते ही पूरा परिसर रानी दुर्गावती अमर रहें जय गोंडवाना, भारत माता की जय और वीरांगना रानी दुर्गावती अमर रहें के नारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके चरणों में नमन किया। समारोह स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंच पर रानी दुर्गावती के जीवन से जुड़े चित्र एवं संदेश प्रदर्शित किए गए थे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी रानी दुर्गावती के संघर्ष, वीरता और राष्ट्रभक्ति को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया। आज भी उनका जीवन युवाओं, महिलाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। धर्मगुरु दादा दुर्गे भगत जी एवं गुरुमाता दुर्गेश्वरी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि रानी दुर्गावती आदिवासी समाज की गौरवगाथा हैं। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि नेतृत्व साहस और त्याग किसी जाति या वर्ग की सीमा में बंधे नहीं होते। उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज को अपने इतिहास संस्कृति और महापुरुषों के प्रति जागरूक होना चाहिए। जब तक हम अपने गौरवशाली अतीत को नहीं जानेंगे, तब तक भविष्य को मजबूत नहीं बना पाएंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने अपने सम्मान और राज्य की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया वह आज भी पूरे देश को प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने इतिहास को जानें और समाज के उत्थान के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है और रानी दुर्गावती जैसी महान विभूतियां उस इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। उनके आदर्शों पर चलकर ही समाज को नई दिशा दी जा सकती है। पूर्व कैबिनेट मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा कि रानी दुर्गावती भारतीय नारी शक्ति की सर्वोच्च मिसाल हैं। उन्होंने अपने जीवन में साहस, नेतृत्व और त्याग का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी तुलना इतिहास में बहुत कम देखने को मिलती है। उनका बलिदान केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं बल्कि स्वाभिमान की अमर गाथा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि रानी दुर्गावती का बलिदान केवल इतिहास का विषय नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है। उन्होंने कहा कि हमें उनके विचारों, संघर्षों और आदर्शों को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाना होगा ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सकें। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती ने हमें सिखाया है कि विपरीत परिस्थितियों में भी साहस और आत्मसम्मान नहीं छोड़ना चाहिए। उनका जीवन समाज को एकजुटता, संघर्ष और आत्मगौरव का संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान युवा कांग्रेस विधानसभा बिछिया की ओर से सभी अतिथियों का पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया गया। मंचासीन अतिथियों को पुष्पहार एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। युवा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पुलिस ने आरंभ किया सेफ क्लिक 2.0 अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)

बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति आमजन को जागरूक करने और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस ने सेफ क्लिक साइबर जागरूकता अभियान-2026 का शुभारंभ किया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के मार्गदर्शन में संचालित यह अभियान 24 जून से 8 जुलाई तक जिलेभर में चलाया जाएगा अभियान का शुभारंभ महारानी वीरांगना रानी दुर्गावती के 462 वें बलिदान दिवस के अवसर पर महिष्मति घाट स्थित उनकी प्रतिमा के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में किया गया कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके द्वारा पुलिस मुख्यालय से प्राप्त टैबलेट विभिन्न थानों में पदस्थ विवेचकों को वितरित किए गए। इसके पश्चात मंत्री, सांसद, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से सेफ क्लिक साइबर जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली और नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव सुरक्षित डिजिटल लेन-देन हेल्पलाइन 1930 तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के संबंध में जागरूक किया गया अभियान का मुख्य उद्देश्य रुको, सोचो, फिर कार्रवाई करो रखा गया है। इसके माध्यम से लोगों को ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों जैसे फर्जी केवाईसी अपडेट, डिजिटल अरेस्ट, निवेश एवं लोन ठगी, फर्जी कस्टमर केयर कॉल, यूपीआई कलेक्ट रिक्वेस्ट, क्यूआर कोड स्कैम, सोशल मीडिया फ्रॉड और संदिग्ध लिंक के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी जा रही है पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है कि साइबर सुरक्षा से जुड़े संदेशों को माइक्रोबीट स्तर तक पहुंचाया जाए तथा स्थानीय स्तर पर सामने आ रहे साइबर अपराधों के तरीकों के बारे में लोगों को विशेष रूप से जागरूक किया जाए। उन्होंने बिछिया एवं निवास क्षेत्र में सरकारी योजनाओं, डिलीवरी भुगतान और फर्जी क्रेडिट मैसेज के नाम पर हो रही ठगी के प्रति विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं अभियान के अंतर्गत नैनपुर, मोहगांव, घुघरी, पिंडरई, हिरदेनगर, अंजनिया सहित जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन 1930, राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल अथवा निकटतम पुलिस थाने से संपर्क करें सेफ क्लिक 2.0 अभियान के माध्यम से पुलिस डिजिटल सुरक्षा को जन आंदोलन का स्वरूप देने और प्रत्येक नागरिक को साइबर अपराधों के प्रति सजग एवं सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही है।

राज्यकर अधिकारी के स्थानांतरण पर विदाई

मण्डला(स्वतंत्रमत)

राज्य कर अधिकारी श्रीमति सरिता भगत का स्थानांतरण मंडला से दमोह हो गया है। उनके स्थानांतरण पर विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पर चार्टर एकाउंटेट अधिवक्ता और कार्यलीन कर्मचारी उपस्थित रहे। जिन्होंने शॉल श्रीफल से श्रीमति सरिता भगत का सम्मान किया। इस दौरान चार्टर एकाउंटेंट धीरज अग्रवाल ने कहा कि मंडला जिले में अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न प्रशासनिक गतिविधियों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्थानांतरण की सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परिचितों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए नए दायित्वों के सफल निर्वहन की कामना की है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा ईमानदारी एवं समर्पण के साथ किया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि संबंधित अधिकारी ने अपने कार्यकाल के दौरान विभागीय कार्यों को गति देने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा कर्मचारियों के साथ बेहतर समंवय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यों को लंबे समय तक याद किया जाएगा। स्थानांतरित अधिकारी ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि मंडला जिले में मिला सहयोग एवं स्नेह हमेशा स्मरणीय रहेगा। उन्होंने नए पदस्थापन स्थल पर भी पूरी लगन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया।

रानी दुर्गावती की जन्म स्थलीय से आए रज कलश का हुआ पूजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

महिष्मति घाट में रानी दुर्गावती बलिदान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वीरांगना दुर्गावती ग्रामीण विकास एवं शोध समिति कालिंजर किला बांदा उत्तरप्रदेश ने कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां रज कलश की स्थापना करते हुए पूजन किया गया। वीरांगना रानी दुर्गावती की जन्म स्थलीय कालिंजर से लाए गए इस कलश की स्थापना पूजन माहिष्मती घाट में विधि विधान से की गई। उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्रबुद्ध जनों के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की कार्यक्रम रामदास जी महाराज मोहन दास आश्रम सहस्त्रधारा की अध्यक्षता में किया गया। वही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. श्रीमती रेखा नागर केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य मुख्य वक्ता अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम केन्द्र इंदौर रही वही विशिष्ट अतिथि के तौर पर सुश्री सरिता मंडावी प्रदेश अध्यक्ष रानी दुर्गावती समिति उपस्थित रही। अतिथियों का पुष्पमाला से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में युवा कार्य सहप्रमुख प्रमोद मरावी के द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर संक्षिप्त विचार प्रस्तुत किए गए और रज कलश के मंडला आगमन की रूपरेखा बताई गई उन्होंने बताया कि यह कलश पूरे जिले में भ्रमण करेंगा जो रानी दुर्गावती के शौर्य आदम्य साहस से जनमानस को परिचय करायेंगा। वहीं मुख्य अतिथि श्रीमती डॉक्टर रेखा नायर ने वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन के बारे में विस्तृत रूप से उपस्थित छात्राओं और प्रबुद्धजनों को बताया और कहा कि 24 जून 1564 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा जब वीरांगना रानी दुर्गावती ने मुगल आक्रांताओं के सामने आत्मसमर्पण करने के बजाय वीरगति को स्वीकार कर भारतीय नारी के स्वाभिमान और सम्मान की रक्षा की थी। उन्होंने कहा कि भारत की यह पुण्यभूमि ऐसी वीरांगनाओं की गौरवगाथा की साक्षी रही है जिनके त्याग और बलिदान ने राष्ट्र को नई दिशा दी है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज तथा राष्ट्रहित में कार्य करें। उन्होंने आगे कहा कि रानी दुर्गावती केवल एक पराक्रमी योद्धा ही नहीं थीं बल्कि एक दूरदर्शी, जनकल्याणकारी और कुशल प्रशासक भी थीं। उनके शासनकाल में प्रजा के कल्याण सुरक्षा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। इस दौरान तुलसी तिवारी प्रांत सहसंगठन मंत्री वनवासी विकास परिषद महाकौशल केन्द्र सागर, डॉ. मुकेश तिलगाम प्रांत सहसचिव वनवासी विकास परिषद महाकौशल प्रांत, कैलाश डेहरिया जिला अध्यक्ष वनवासी विकास परिषद हीरानंद चन्द्रवंशी जिला संघ चालक मंडला, श्रीमति प्रिया धुर्वे जिला समिति सदस्य समाजसेवी संतोष कोष्टा विभाग संघ चालक, सुनीता सैयाम जिला समिति सदस्त जैनकली मरावी जिला महिला प्रमुख, सोनू मरावी जिला सहसंयोजक, रामेश्वर अग्रवाल नगर संघ चालक, नीरज अग्रवाल जिला मीडिया प्रमुख, राजू कुडापे विभाग संगठन मंत्री, श्रीमति सीता परतेती, समाजसेवी सुधीर कांसकार, समाजसेवी राजेश दीक्षित के साथ सरस्वती स्कूल के प्राचार्य तारेन्द्र पांडे,आदि उपस्थित रहे।

बुधवारी बाजार में दुकान का ताला टूटा चोरियों के बढ़ते ग्राफ से लोग चिंतित

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। नगर में बढ़ती चोरी की घटनाओं ने आमजन के साथ-साथ अब व्यापारियों की चिंता भी बढ़ा दी है। बीती रात बुधवारी बाजार मछली मार्केट स्थित एक किराना जनरल स्टोर दुकान में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब दुकान संचालक मौके पर पहुंचे तो दुकान का ताला टूटा मिला। बताया गया कि चोरों ने कुछ सामान और दूकान में रखी नगदी पर अपना हाथ साफ कर लिया। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से नगरवासियों में भय का माहौल बना हुआ है। पिछले कुछ समय से एक के बाद एक घरों में चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं, वहीं अब बाजार क्षेत्र में भी चोर सक्रिय हो गए हैं। इस घटना के बाद व्यापारियों में खासा आक्रोश और चिंता देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर में रात्रि गश्त का असर आखिर क्यों नही पड़ रहा है। जिसके चलते चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

महज औपचारिकता बनकर रह गया शिक्षक समस्या निवारण शिविर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

शिक्षक शब्द कहने और सुनने में एक सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा शब्द है, लेकिन वर्तमान समय में विद्यालय में बच्चों की समस्याओं को सुलझाने वाला शिक्षक, खुद अपनी समस्याओं को लेकर चिंतित रहता है। विकासखंड नैनपुर के शिक्षक नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, पेंशन और टीईटी परीक्षा जैसी देश-प्रदेश स्तरीय समस्या के साथ साथ पिछले दो तीन सालों से विकासखंड और जिला स्तरीय स्थानीय समस्याओं से भी जूझ रहे है। जिले और विभाग में नये अधिकारियों का आना जाना लगा रहा, लेकिन शिक्षकों की समस्या जस की तस बनी हुई है। विगत दिनों जिले में आए नवागत कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने अपनी सूझ-बूझ का परिचय देते हुए शिक्षकों की स्थानीय समस्याओं के निराकरण करने के लिए पूरे जिले में एक नवाचार किया। उनके आदेश पर जून माह के प्रत्येक शनिवार को जिले के सभी विकासखंडों में शिक्षक समस्या निवारण शिविर का आयोजन कराया जा रहा है। लेकिन उनकी इस नई पहल का पर्याप्त लाभ जिले के शिक्षकों को नहीं मिल रहा है। जिसका सबसे महत्वपूर्ण कारण विकासखंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा शिक्षकों के बीच इसका व्यापक प्रचार-प्रसार नहीं किया गया। दूसरा कुछ जगह पर एक टीम बनाकर शिविर का आयोजन तो किया गया, लेकिन उस शिविर में विकासखंड शिक्षा अधिकारी खुद नदारद रहे, जिसके कारण समस्या निवारण शिविर सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गया।

बीईओ की अनुपस्थिति में शिविर में सिर्फ़ आवेदन का खेल

विकासखंड नैनपुर में बीईओ द्वारा तीन प्रभारी प्राचार्यों, बाबूओं और भृत्य को लेकर एक टीम गठित कर दी गई, जिसने प्रत्येक शनिवार को 11 बजे से 3 बजे तक समस्याग्रस्त शिक्षकों से आवेदन तो ले लिया गया, लेकिन बीईओ की अनुपस्थिति में आयोजित इन शिविरों में शिक्षकों की समस्याओं का कैसे और कब-तक निराकरण किया जाएगा, ये बताने और आश्वासन देने वाला कोई जिम्मेदार उपस्थित नहीं था। शिक्षकों ने आरोप लगाते हुए बताया कि इस तरह के आवेदन और ज्ञापन का खेल तो वर्षों से चला आ रहा है, लेकिन उन आवेदन और ज्ञापन पर वर्षों से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, कुछ आधी अधूरी समस्याओं का निराकरण हुआ भी तो उसके लिए शिक्षकों को मानसिक और आर्थिक रूप से बहुत पापड़ बेलने पड़े। जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों द्वारा शिक्षकों के हित में जिला कलेक्टर द्वारा उठाए गए इस नवाचार पहल को बुरी तरह फैल करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि इनकी नाकामियों की जानकारी ऊपर उन तक ना पहुंच पाए। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नैनपुर में आयोजित शिक्षक समस्या निवारण शिविर में जून के पहले शनिवार को 12, दूसरे शनिवार को 18 और तीसरे शनिवार को लगभग 70 आवेदन दिए गए, लेकिन इन आवेदनों पर क्या कार्रवाई चल रही है? शिक्षकों की समस्या का आखिर कब-तक और किस तरह निपटारा किया जाएगा?? ये भी पता नहीं चल पा रहा है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा नैनपुर ने विज्ञप्ति के माध्यम से जिला कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे को शिक्षक समस्या निवारण शिविर आयोजित कराने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपील की है कि आगामी शनिवार को आयोजित होने वाले अंतिम शिविर के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए संबंधित बीईओ को निर्देशित करें, ताकि अधिक से अधिक शिक्षकों तक शिविर लगाने के उद्देश्य की जानकारी पहुंचाई जाए और शिविर में प्राप्त आवेदनों के अनुसार शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण करने की प्राथमिकता और जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि शिक्षकों को अपनी समस्याओं के लिए स्कूल से गायब होकर कार्यालय के चक्कर ना लगाना पड़े। साथ ही बीईओ कार्यालय में ट्रेज़री आदि के नाम पर छोटे छोटे काम के बदले दाम की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाए।

संपादकीय

उद्धव से भारी ममता की लाचारी

ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे की राजनीति में जमीन आसमान का फर्क है। ममता बनर्जी ने जो भी राजनीतिक हैसियत हासिल की, अपनी बदौलत की। उद्धव ठाकरे को तो विरासत में मिली राजनीतिक जमीन संभालनी थी। उद्धव ठाकरे की पार्टी टूटी तो माना जा रहा था कि राजनीतिक दांव-पेच में कमजोर होने की कीमत चुकानी पड़ी। तब शरद पवार का भी एक बयान आया था, जिसमें वो उद्धव ठाकरे को अलर्ट करने की बात कर रहे थे। शरद पवार की बातों से लगा जैसे उद्धव ठाकरे उनकी बात मान लिए होते तो अपनी पार्टी को बचा सकते थे। उन्होंने शिवसैनिकों पर अपने भरोसे के आगे शरद पवार की बातों को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन ये सारी बातें तब पीछे छूट गईं, जब शरद पवार की पार्टी के साथ भी बिल्कुल वैसा हो गया, जैसा उद्धव ठाकरे के साथ हुआ था। और, अब ममता बनर्जी की पार्टी के साथ भी ठीक वैसा ही हो गया है, जैसा उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ हो चुका है। उद्धव ठाकरे को थोड़ी देर के लिए अलग रखकर देखें, तो शरद पवार महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज माने जाते हैं, और ममता बनर्जी खुद को पश्चिम बंगाल की स्ट्रीट फाइटर बताती रही हैं। लेकिन, सब कुछ अलग-अलग होने के बावजूद तीनों ही राजनीति में एक ही तरीके से गच्चा क्यों खा गए? जिस दिन उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत करने वाले उनके सांसद महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के साथ प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे, उसी दिन पश्चिम बंगाल में टीएमसी के बागियों ने संगठन में समानांतर व्यवस्था बनाते हुए एक झटके में ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को बेदखल कर दिया। ममता बनर्जी तो बड़ी ही अनुभवी पॉलिटिशियन हैं, ऐसा क्यों लगता है जैसे वो उद्धव ठाकरे से भी ज्यादा कमजोर पड़ गईं? कोलकाता में न्यूटाउन के एक होटल में बागी नेताओं की तरफ से तृणमूल कांग्रेस का स्पेशल सेशन बुलाया गया था। करीब आधे घंटे के विशेष अधिवेशन में पश्चिम बंगाल के बागी विधायक, पूर्व पार्षद और पदाधिकारी शामिल हुए। आयोजन के जरिए हर तरह से संदेश देने की कोशिश लग रही थी। तृणमूल कांग्रेस का चुनाव निशान प्रमुखता से दिखाया जा रहा था। मंच पर महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, काजी नजरुल इस्लाम और बीआर आंबेडकर की तस्वीरें लगी थीं परंतु ध्यान देने वाली बात यह रही कि ममता बनर्जी की कहीं कोई तस्वीर नजर नहीं आई। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 80 विधायकों में से 58 के समर्थन से ऋतब्रत बनर्जी विधानसभा में विपक्ष के नेता बनाए गए हैं। टीएमसी के 14 विधायकों ने ममता बनर्जी के प्रति अपना समर्थन जताया है, जबकि एक विधायक जेल में हैं। 28 में से 20 सांसदों ने काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया था, और वे एनसीपीआई में शामिल हो गए थे। महुआ मोइत्रा, सौगत रॉय और बाबुल सुप्रियो जैसे सांसद जरूर फील्ड में ममता बनर्जी का बचाव कर रहे हैं, लेकिन खुद ममता बनर्जी खामोश बनी हुई हैं। उनकी मुश्किलों का दायरा बहुत बड़ा हो गया है। टीएमसी के कई बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिए गए हैं। यह पार्टी के कोषाध्यक्ष के कहने पर हुआ है। कोलकाता के एक बैंक ने टीएमसी के तीन खातों को डेबिट फ्रीज कर दिया है, और रिपोर्ट के मुताबिक, खातों में करीब 440 करोड़ रुपये जमा हैं। उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टियों के साथ जो हुआ, और लड़ाई से जो नतीजा निकला, ममता बनर्जी को निराश करने वाला है। ममता बनर्जी अब जनता की ही अदालत से उम्मीद कर सकती हैं।

लखनऊ के अलीगंज व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी: कब जागेगा तंत्र?

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर।

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद

लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है।

कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है।

जैसे-जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लखनऊ का यह अग्निकांड एक चेतावनी है। यदि अब भी शासन-प्रशासन नहीं जागा, तो ऐसी त्रासदियां भविष्य में और अधिक भयावह रूप धारण कर सकती हैं। यह समय आत्ममंथन का है, क्योंकि हर अग्निकांड के बाद यदि केवल राख बचती है और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट जाती है, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक प्रकार का संस्थागत अपराध है। देश को अब संवेदना नहीं-व्यवस्था चाहिए, जांच नहीं-जवाबदेही चाहिए और आश्वासन नहीं-ठोस कार्रवाई चाहिए। अन्यथा हर अग्निकांड के बाद यही प्रश्न गूंजता रहेगा-आखिर कब जागेगा तंत्र?

तनाव के बीच उम्मीद

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के अंतिम परिणाम को लेकर अनिश्चितता का वातावरण बना हुआ है। स्विट्जरलैंड में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच हुई पहले दौर की बातचीत में भी तनातनी बनी रही। अमेरिका प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जे.डी.वेंस, विशेषदूत स्टीव विटकॉफ और वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर ने किया। जबकि ईरान की तरफ से प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसदीय अध्यक्ष मोहम्मद गालिबाफ ने किया। यद्यपि 80 मिनट की वार्ता के बाद ईरान प्रतिनिधिमंडल बैठक से बाहर आ गया और उसने शांति समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया। तनाव के बावजूद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व्यापक क्षेत्रीय युद्ध विराम हासिल करने के लिए तेहरान के साथ राजनयिक संबंध फिर से शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जेडी वेंस ने वार्ता को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि हमारे सामने सवाल यह है कि हम मिलकर और कितना कुछ हासिल कर सकते हैं क्या हम एक नई शुरुआत कर सकते हैं क्या हम मध्य पूर्व में संबंधों को स्थायी रूप से बदल सकते हैं या फिर हम पुराने तरीके पर लौट जाएंगे, जो हमारी पसंद नहीं है लेकिन निश्चित रूप से ऐसा होने की पूरी संभावना है।

वेंस ने कहा कि ट्रम्प ने अमेरिकी टीम को ईरान के साथ संबंधों में मौलिक बदलाव लाने का निर्देश दिया था, यदि तेहरान उन गतिविधियों को छोड़ने की इच्छा दिखाता है जिन्हें वाशिंगटन अस्थिरता पैदा करने वाला मानता है। वेंस ने कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प ने हमसे जो करने को कहा है, वह ईरान के लोगों के साथ हमारे संबंधों को बदलने के लिए एक नई शुरुआत करना है। यदि ईरान का नेतृत्व क्षेत्रीय अस्थिरता का कारक बनने से पीछे हटने को तैयार है, यदि वे दीर्घकालिक रूप से परमाणु हथियार बनाने की महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने को तैयार हैं तो संयुक्त राज्य अमेरिका उस देश के साथ अपने संबंधों को मौलिक रूप से बदलने को तैयार है।

लेकिन असली मुद्दा लेबनान में इजराइली हमलों का रहा। यद्यपि डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल को कड़ी फटकार लगाते हुए उन्हें लेबनान और हिजबुल्लाह के मामले में जिम्मेदारी दिखाने को कहा है। इजराइल लगातार हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाता जा रहा है। जिसकी वजह से रोज लोग मर रहे हैं लेकिन नेतन्याहू शांति समझौते के विरुद्ध सख्त रवैया अपनाए हुए है। ईरान कई सालों से हिजबुल्लाह का पालन पोषण कर रहा है और इजराइल के विरुद्ध प्रोक्सी युद्ध में उसका इस्तेमाल कर रहा है। यद्यपि जेडी वेंस सुलह का रुख अपनाए हुए हैं लेकिन ट्रम्प वार्ता के दौरान भी तेहरान को कड़ी चेतावनियां देने से बाज नहीं आ रहे।

ट्रम्प दबाव की रणनीति अपना रहे हैं और लगातार धमकी दे रहे हैं कि अगर ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह की गतिविधियों पर लगाम नहीं लगाई तो फिर अमेरिका ईरान पर बहुत बड़ा प्रहार करेगा। इसी बीच ट्रम्प ने एक नया राग छेड़ दिया है। ट्रम्प लेबनान और हिजबुल्लाह से जुड़े मामलों में सीरिया को जिम्मेदारी सौंपने की बात कह रहे हैं। ट्रम्प का मानना है कि सीरियाई सरकार लेबनान में ईरान समर्थित आतंकी समूह हिजबुल्लाह की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए एक बड़ी भूमिका निभा सकता है जबकि सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल लेबनान के मामलों में अपने हाथ नहीं जलाना चाहते। उनका कहना है कि वे लेबनान में कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे लेकिन वे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए प्रयासों का समर्थन करते हैं।

सवाल यह भी है कि क्या इजराइल सीरिया की भूमिका को स्वीकार करेगा। स्विट्जरलैंड में टकराव के बावजूद बातचीत की निगरानी के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन भी किया गया। दोनों पक्षों ने लेबनान में सैन्य अभियानों को समाप्त करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर एक संचार लाइन और एक संघर्ष निवारण सैल की स्थापना की। इसी बीच अमेरिका ने ईरानी तेल निर्यात पर लगे कुछ प्रतिबंधों को हटा दिया है और कुछ जब्त सम्पतियों को भी जारी कर दिया है। बातचीत में मध्यस्थ कतर का कहना है कि वार्ता में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है क्योंकि दोनों पक्षों ने 60 दिवसीय रोड मैप पर सहमति जताई है। जेडी वेंस शांति समझौते को लेकर सकारात्मक रुख इसलिए अपनाए हुए हैं क्योंकि उनका राजनीतिक भविष्य इसी समझौते पर टिका हुआ है।

जेडी वेंस अमेरिका के भावी राष्ट्रपति पद के चुनावों में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हो सकते हैं। उन्हें डोनाल्ड ट्रम्प के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में माना जा रहा है। अगर शांति समझौता विफल रहता है तो ट्रम्प इसका पूरा दोष वेंस पर डाल देंगे। अमेरिका में भी समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। जेडी वेंस के लिए शांति समझौता उनके राजनीतिक करियर के लिए दोधारी तलवार बन चुका है। हालांकि मार्को रूबियो भी राष्ट्रपति पद के लिए संभावित दावेदार हैं लेकिन ज्यादातर सर्वेक्षणों में वेंस को बढ़त दिखाई दे रही है। अमेरिका और खाड़ी देश जल्द से जल्द होर्मुज को खुलवाना चाहते हैं क्योंकि ऐसा न होने की स्थिति में तेल और ऊर्जा का संकट बढ़ जाएगा। संयुक्त अरब अमीरात तो होर्मुज पर निर्भरता कम करने की रणनीति पर काम कर रहा है। भारत के लिए भी होर्मुज संकट एक बड़ा सबक है। भारत के लिए आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाना वैकल्पिक समुद्री एवं जमीनी गलियारों में निवेश करना और रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत बनाना प्राथमिकता होनी चाहिए। तनातनी में खत्म हुई शांति वार्ता में प्रगति तो हुई है लेकिन रास्ते अभी भी जटिल हैं। बेहतर यही होगा कि अमेरिका-ईरान संयम से काम लेते हुए नई शुरूआत करें और पूरी दुनिया को राहत प्रदान करें।

किस्मत नहीं, आपकी आदतें तय करती हैं कि आप अमीर बनेंगे या नहीं!

हर कोई अमीर बनने के सपने देखता है, लेकिन जीवन में कुछ लोग ही ये सपना पूरा कर पाते हैं। कुछ लोग आम परिवारों में पैदा होकर भी बहुत अमीर बन जाते हैं, जबकि कुछ लोग रात-दिन मेहनत करके भी पैसों की तंगी से बाहर नहीं निकल पाते हैं।लेकिन क्या अमीर बनना सिर्फ किस्मत का खेल है? या फिर उनके पास कोई ऐसा सीक्रेट होता है? आचार्य चाणक्य का मानना था कि पैसा और कामयाबी कभी अचानक या इत्तेफाक से नहीं मिलते। इसके पीछे कुछ खास नियम, आदतें और सही फैसले होते हैं, जो एक आम इंसान को भी बहुत बड़ा बना सकते हैं।

सीखना न छोड़ें

चाणक्य कहते हैं कि ज्ञान एक ऐसी दौलत है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। आज के समय में सबसे बड़ी ताकत पैसा नहीं, बल्कि आपका नॉलेज और हुनर है। आप जितना नया सीखेंगे, आपकी वैल्यू उतनी ही बढ़ेगी और आप जीवन में उतने ही बेहतर फैसले ले पाएंगे।

वक्त की कद्र करें

चाणक्य का मानना है कि जो इंसान समय को बर्बाद करता है, समय एक दिन उसे बर्बाद कर देता है। हर इंसान के पास दिन में 24 घंटे ही होते हैं, लेकिन आप सफल होंगे या नहीं, यह इस बात पर तय होता है कि आप इन घंटों का इस्तेमाल कैसे करते हैं।

सही मौके को पहचानें

चाणक्य नीति कहती है कि समझदार इंसान अच्छे मौके का इंतजार नहीं करता, बल्कि सामने आते ही उसे पहचानकर उसका फायदा उठाता है। जीवन में कामयाबी और नाकामी के बीच का अंतर सिर्फ आपकी मेहनत नहीं, बल्कि सही समय पर लिया गया सही फैसला होता है। मौके हर किसी को मिलते हैं, बस कुछ लोग डर या आलस की वजह से उन्हें खो देते हैं, तो कुछ लोग उनका फायदा उठा लेते हैं।

पैसों का सही इस्तेमाल करें

चाणक्य के अनुसार, जो इंसान पैसों का सही इस्तेमाल करना नहीं जानता, उसके पास धन कभी नहीं रुकता। पैसा कमाना एक हुनर है, लेकिन उसे संभालना और बढ़ाना उससे भी बड़ा हुनर है। ज्यादातर लोग कमाते तो बहुत हैं, लेकिन बचत और सही जगह पैसा न लगाने की वजह से कभी अमीर नहीं बन पाते।

अच्छे लोगों के साथ रहें

चाणक्य नीति कहती है कि इंसान जैसा साथ रखता है, वैसा ही बन जाता है। आप जिन लोगों के साथ उठते-बैठते हैं, उनकी सोच और आदतें धीरे-धीरे आप में भी आने लगती हैं। इसलिए, अच्छे और कामयाब लोगों की संगति आपको आगे ले जाएगी, जबकि गलत लोगों का साथ आपको पीछे धकेल देगा।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अपना बोया ही काट रहीं ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में सत्तासीन तृणमूल कांग्रेस को मिली ऐतिहासिक पराजय के बाद, जिस तरह पार्टी के विधायक और सांसद ममता बनर्जी से नाता तोड़ रहे हैं, उसने कई लोगों को हैरान किया है। लेकिन ममता बनर्जी पिछले 28-29 सालों से जिस तरह की सिद्धान्तहीन राजनीति करती रही हैं, उसे देखते हुए इन जन-प्रतिनिधियों के कारनामे कुछ भी असामान्य नहीं लगते। वे बस वही कर रहे हैं जो ममता दीदी ने उन्हें सिखाया है। असल में, अच्छा शिष्य वही है जो अपने गुरु के दिखाए रास्ते पर चले। ये सांसद और विधायक भी वही कर रहे हैं जो ममता बनर्जी करती रही हैं, यानी बिना किसी सिद्धांत या आदर्शवादी राजनीति। किसी को सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करना और काम निकल जाने पर उसे छोड़ देना, बार-बार उससे मुंह मोड़ लेना और विपक्षी पार्टियों के विधायकों पर हमला करना।

तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायकों और सांसदों पर मुख्य आरोप यह है कि तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद, वे अब विपक्षी भाजपा के साथ मिल रहे हैं, वही भाजपा, जिसे उन्होंने चुनाव के दौरान सांप्रदायिक पार्टी बताकर हराया था। लेकिन ममता बनर्जी ने भी 1998 में ऐसा ही किया था, जब उन्होंने 1 जनवरी 1998 को कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता बनर्जी को कांग्रेस से यह शिकायत थी कि राज्य में लेफ्ट फ्रंट को हराने के लिए कांग्रेस भाजपा के साथ हाथ क्यों नहीं मिला रही है? उस समय ममता भाजपा को सांप्रदायिक नहीं मानती थीं। उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा कोई सांप्रदायिक पार्टी नहीं है। तो, अगर अब तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक कह रहे हैं कि भाजपा सांप्रदायिक पार्टी नहीं है, तो इसमें क्या गलत है? वे बस अपनी प्रिय नेता के पदचिन्हों पर चल रहे हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चार बार (2013, 2017, 2022 और 2024 में) अपना पक्ष बदला, लेकिन ममता बनर्जी अब तक पांच बार अपना पक्ष बदल चुकी हैं। इतिहास के पन्ने पलटे तो, बात 1997 की है, केंद्र में संयुक्त मोर्चा की सरकार थी। संयुक्त मोर्चा सरकार को बाहर से समर्थन दे रही कांग्रेस ने अपना समर्थन वापस ले लिया, नतीजतन नवंबर 1997 में सरकार गिर गई और 1998 में नए सिरे से लोकसभा चुनाव हुए। तब तक ममता कांग्रेस छोड़कर एक नई पार्टी बना चुकी थीं। चुनावों में ममता की तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के साथ सीट का समझौता किया और सात सीटें जीतीं। हालांकि, वह सरकार में शामिल नहीं हुईं क्योंकि उन्होंने राज्य में अपनी नई बनी पार्टी को मजबूत करने पर ध्यान दिया। 13 महीने बाद केंद्र सरकार गिर गई।

1999 के चुनावों के बाद एक नई सरकार बनी, जिसमें ममता बनर्जी रेल मंत्री बनीं। 2001 में, जब बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक थे, तो ममता को लगा कि कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन करना फायदेमंद रहेगा। इसलिए, मार्च 2001 में उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले (तहलका स्टिंग ऑपरेशन) का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया। हालांकि, इससे भी बंगाल में लेफ्ट फ्रंट को हराया नहीं जा सका। लेफ्ट फ्रंट ने 199 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस को 31 प्रतिशत वोट के साथ सिर्फ़ 60 सीटें मिलीं।

अगले विधानसभा चुनाव में अभी पांच साल बाकी थे और केंद्र में भाजपा की सरकार थी। इसलिए, 2003 में ममता बनर्जी फिर से वाजपेयी सरकार में शामिल हो गईं। वह सितंबर 2003 में वाजपेयी सरकार में मंत्री बनीं, जबकि गुजरात दंगे डेढ़ साल पहले, यानी फरवरी 2002 में हो चुके थे। उन्होंने दंगों के लिए गुजरात में मोदी सरकार के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन जब अप्रैल 2002 में लोकसभा में वाजपेयी सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया, तो ममता की पार्टी ने वाजपेयी का समर्थन किया। इस समर्थन के बदले, कुछ महीनों बाद उन्हें फिर से मंत्री बनाया गया।

ममता बनर्जी ने 2004 के लोकसभा और 2006 के विधानसभा चुनाव बीजेपी के साथ गठबंधन करके लड़े। हालांकि, जब उनकी पार्टी को दोनों चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा। 2004 के लोकसभा चुनावों में तृणमूल को सिर्फ एक सीट मिली और 2006 के विधानसभा चुनावों में न सिर्फ पार्टी का वोट शेयर घटा (26 प्रतिशत हो गया) बल्कि उसकी सीटें भी आधी रह गईं, तो ममता को लगा कि भाजपा के साथ गठबंधन करने का कोई फायदा नहीं है। केंद्र में भाजपा के सत्ता से बाहर होने के बाद, ममता बनर्जी ने फिर से कांग्रेस पार्टी का रुख किया। उन्होंने 2009 के लोकसभा चुनाव मिलकर लड़े। तृणमूल कांग्रेस ने 19 सीटें जीतीं। इस जीत से उत्साहित होकर, उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर 2011 का विधानसभा चुनाव लड़ा और सरकार बनाई।

सरकार बनाने के ठीक एक साल बाद, ममता ने कांग्रेस से गठबंधन तोड़ दिया, क्योंकि उन्हें अब कांग्रेस की सीढ़ी की जरूरत नहीं थी, लेकिन वह यहीं नहीं रुकीं। वह उस सीढ़ी को ही आग लगाने पर आमादा थीं। इसलिए उन्होंने विपक्षी विधायकों को एक-एक करके तोड़ना शुरू किया और अगले पांच सालों में कांग्रेस पार्टी के 42 विधायकों को अपनी तरफ कर लिया। कांग्रेस ही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस बन चुकी थी। उन्होंने लेफ्ट फ्रंट के चार विधायकों को भी पार्टी में शामिल किया, जबकि उन्हें उनकी जरूरत नहीं थी। इन विधायकों के बिना भी, पार्टी के पास 184 विधायकों का मजबूत बहुमत था।

2016 के विधानसभा चुनाव के बाद भी ममता बनर्जी ने विपक्षी विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करना जारी रखा, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने पहली बार अकेले चुनाव लड़ा था और 211 सीटें जीती थीं। उन्हें विपक्षी विधायकों को अपने पाले में लाने की जरूरत नहीं थी। फिर भी, अगले पांच सालों में उन्होंने कांग्रेस के 18 और लेफ्ट फ्रंट के 4 विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। यह सिलसिला 2021 के चुनावों के बाद भी जारी रहा, जब भाजपा के टिकट पर चुने गए 7 विधायक तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। इनमें से सिर्फ तीन या चार विधायकों ने अपनी सीट से इस्तीफा दिया और तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर उपचुनाव लड़ा। बाकी नेता अपनी सीटें छोड़े बिना तृणमूल कांग्रेस के साथ बने रहे। स्पीकर उनकी सदस्यता रद्द करने की याचिकाओं पर कोई फैसला नहीं ले रहे थे, जबकि वे अपना विधायी कार्यकाल पूरा करते रहे। कुछ नेता तो मंत्री भी बन गए, और कुछ ने सत्ता के फायदों का आनंद लेना जारी रखा।

विपक्ष के जिन विधायकों ने मंत्री पद, पैसे और सत्ता के लिए पाला बदला था, और ममता बनर्जी को उसमें कुछ भी अनैतिक नहीं लगा था, वही काम आज उनकी 'अपनी' पार्टी के तृणमूल विधायक और सांसद भी कर रहे हैं; तो फिर ममता को क्या शिकायत होनी चाहिए? बागी तृणमूल विधायक और सांसद अपना नया गुट बनाकर भाजपा नीत एनडीए के पक्ष में खड़े है। असल में आज ममता दीदी को वही फसल काटनी पड़ रही है, जो खुद उन्होंने बोयी थी। तृणमूल कांग्रेस के पंद्रह साल के कार्यकाल में जो अत्याचार, अनाचार और भ्रष्टाचार हुआ है, उससे ममता दीदी की छवि को गहरा धक्का लगा। आज उनके साथ जो हो रहा है, वो उनके कर्मों का ही नतीजा है। इसलिए उनके साथ न उनके नेता खड़े हैं, और न ही जनता। तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के साथ आज जो कुछ हो रहा है, उस घटनाक्रम से ममता बनर्जी के सिवाय कोई दूसरा दुखी भी नहीं है।

पहले खुले में खड़े रहते थे, अब बॉम्बर विमानों के लिए विशाल शेल्टर क्यों बना रहा रूस?

मॉस्को

रूस ने एंगेल्स एयर बेस पर अपने स्ट्रैटेजिक बॉम्बर्स के लिए बड़े सुरक्षा शेल्टर बनाने का काम शुरू किया है। द वॉर जोन को प्लैनेट लैब्स से मिली सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि 20 जून तक कम से कम 17 बड़े शेल्टर बन रहे थे। रूस के सारातोव इलाके में वोल्गा नदी के किनारे स्थित एंगेल्स एयर बेस रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज की लॉन्ग-रेंज एविएशन ब्रांच का सबसे अहम बेस है और यह देश का मुख्य स्ट्रैटेजिक बॉम्बर हब है। इस बेस पर टीयू-160 ब्लैकजैक सुपरसोनिक स्ट्रैटेजिक बॉम्बर्स और टीयू-95 बॉम्बर्स का एकमात्र ऑपरेशनल रेजिमेंट तैनात है।

यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से एंगेल्स से उड़ान भरने वाले बॉम्बर्स ने रूसी एयरस्पेस में रहते हुए ही कई बार यूक्रेन में मौजूद ठिकानों पर केएच-101 और दूसरी लॉन्ग-रेंज क्रूज मिसाइलें दागी हैं।

कोल्ड वॉर के दौरान और सोवियत संघ के बाद के समय में भी मॉस्को अपने लॉन्ग-रेंज बॉम्बर्स को देश भर में खुले में खड़ा रखता था। इसके कई कारण थे, जिनमें सबसे अहम मॉस्को और वॉशिंगटन के बीच हथियारों पर नियंत्रण और पारदर्शिता के उपाय थे।

1991 में हुई स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी के तहत दोनों पक्ष ऐसे तरीके न अपनाने पर सहमत हुए थे जिनसे जासूसी सैटेलाइट जैसे नेशनल टेक्निकल साधनों से जांच में रुकावट आए। इस संधि ने ऐसी पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जिससे अमेरिका और सोवियत संघ (और बाद में रूस) अहम न्यूक्लियर डिलीवरी सिस्टम पर नजर रख सकें और संधि के नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी जांच कर सकें।

नतीजतन, स्ट्रैटेजिक बॉम्बर्स अक्सर एयरफील्ड एप्रन पर दिखाई देते थे, जबकि कई टैक्टिकल एयरक्राफ्ट मजबूत शेल्टर से ऑपरेट होते थे। अब यूक्रेन युद्ध ने रूस के लिए दशकों पुराने इस समीकरण को बदल दिया है। लॉन्ग-रेंज ड्रोन्स के आने से उस दौर का असल में अंत हो गया है जब रूस यह मान सकता था कि उसके स्ट्रैटेजिक बॉम्बर्स सिर्फ इसलिए सुरक्षित हैं क्योंकि वे युद्ध के मैदान से दूर तैनात हैं।

यह 1 जून, 2025 को यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडरवेब में देखा गया। यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसियों ने ऐसे ड्रोन का इस्तेमाल किया जिन्हें चुपके से रूस में भेजा गया था ताकि रणनीतिक बॉम्बर वाले कई एयरबेस पर हमला किया जा सके।

हमले के बाद जारी सैटेलाइट तस्वीरों में कई विमानों को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई, जिनमें झ्व–95रू रणनीतिक बॉम्बर और लंबी दूरी तक मार करने वाले अन्य हवाई हथियार शामिल थे। इस ऑपरेशन ने एक ऐसी कमजोरी को उजागर किया जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा था।

रूस के बॉम्बर बेड़े में पुराने हो रहे विमान शामिल हैं जिन्हें बदलना मुश्किल या असंभव है। अब उसके लिए नुकसान को रोकना एक रणनीतिक जरूरत बन गई है। लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन से बढ़ते खतरे ने रणनीतिक बॉम्बर की सुरक्षा को पहले से कहीं यादा अहम बना दिया है।

एंगेल्स में बने नए शेल्टर युद्ध के बदलते हालात को दिखाते हैं और इन्होंने रूस को अपनी वायु शक्ति और रणनीतिक प्रतिरोध क्षमता के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया है। तेजी से कम होते जा रहे इन हवाई हथियारों की सुरक्षा करना एक अहम रणनीतिक मकसद बन गया है। इसलिए, एंगेल्स में चल रहा निर्माण कार्य सिर्फ विमानों को सुरक्षित रखने से कहीं यादा महत्वपूर्ण है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भरोसा करना अमेरिका की नादानी, डोनाल्ड ट्रंप पर भड़के नेतन्याहू के मंत्री

तेल अवीव

पश्चिम एशिया में लगभग चार महीनों से जारी संघर्ष में जहां एक तरफ अमेरिका और ईरान शांति समझौते पर सहमत हुए। वहीं दूसरी ओर इजरायल अभी भी ईरान और लेबनान के साथ शांति समझौते पर सहमत होने को तैयार नहीं है। इतना ही नहीं इजरायल ने तो दो टूक अंदाज में अमेरिका को नादान बताया। इसके साथ ही ईरान-लेबनान पर अकेले कार्रवाई करने तक की बात कह दी।

इस पूरे मामले को ऐसे समझिए कि जहां एक तरफ अमेरिका-ईरान के साथ हुए शांति समझौते के बाद दुनियाभर में राहत का माहौल है। वहीं दूसरी ओर अब एक बार फिर इजरायल के कट्टरपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर का बड़ा बयान सामने आया है।

नेतन्याहू के मंत्री बेन-ग्विर अमेरिकी फैसले को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि अगर अमेरिका यह सोचता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ देगा, तो यह उसकी बड़ी नादानी होगी। बेन-ग्विर ने साफ शब्दों में संकेत दिया कि ईरान के खतरे से निपटने के लिए इजरायल बिना किसी की मदद के अकेले भी कार्रवाई कर सकता है। इजरायल के चैनल को दिए एक इंटरव्यू में बेन-ग्विर ने कहा कि अमेरिकी बहुत नादान हैं अगर वे सोचते हैं कि ईरानी अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद कर देंगे और इजरायल को तबाह करने का अपना सपना छोड़ देंगे।

ग्विर ने कहा कि इस ईरानी खतरे का डटकर मुकाबला करना और इसके खिलाफ अकेले कार्रवाई करना खुद इजरायल की जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी परिस्थिति इजरायल को किसी दूसरे देश के इशारों पर काम करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती, चाहे वह दोस्त कितना भी बड़ा (अमेरिका) क्यों न हो।

बता दें कि ग्विर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब लेबनान में इजरायल के सैन्य अभियानों को लेकर अमेरिका और इजरायल के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। दूसरी तरफ, अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति समझौता करने के लिए बातचीत का दौर चल रहा है, जिससे इजरायल असहज है। हालांकि, अमेरिका और इजरायल दोनों ही ईरान पर यह आरोप लगाते रहे हैं कि उसका परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम इजरायल और क्षेत्र के अन्य देशों के लिए खतरा है। वहीं, ईरान हमेशा से यह कहता आया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण कामों के लिए है और उसका मकसद कोई परमाणु हथियार बनाना नहीं है।

ओजस्वी वक्ता डॉ. अशोक भार्गव को विश्व हिन्दी परिषद का कार्यकारी सदस्य मनोनीत किया गया

नई दिल्ली/ लखनऊ/इंदौर

रीवा एवं शहडोल संभाग के पूर्व संभागीय आयुक्त, भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, इंदौर शहर के डॉ. अशोक कुमार भार्गव को विश्व हिन्दी परिषद का राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार द्वारा किया गया है। विश्व हिन्दी परिषद हिन्दी सहित समस्त भारतीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं वैश्विक प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित अग्रणी संस्था है। इसका लक्ष्य हिन्दी को विश्वभाषा के गौरवपूर्ण स्थान तक पहुँचाना है। डॉ. विपिन कुमार ने डॉ. भार्गव के प्रशासनिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता, सांगठनिक कौशल एवं हिन्दी के प्रति अटूट समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। परिषद को विश्वास है कि डॉ. भार्गव के जुड़ने से परिषद की गतिविधियों को नई ऊर्जा, दिशा और गति मिलेगी। साथ ही सदस्यता विस्तार एवं सांस्कृतिक आयोजनों को नई ऊँचाइयाँ प्राप्त होंगी।

इस अवसर पर विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. देवी प्रसाद मिश्रा एवं राष्ट्रीय संपर्क समन्वयक डॉ. नन्दकिशोर साह सहित समस्त पदाधिकारियों ने डॉ. भार्गव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। डॉ. भार्गव नागरी लिपि परिषद के अध्यक्ष, विश्व हिन्दी परिषद के आजीवन सदस्य, ख्यातिप्राप्त लेखक, विचारक एवं ओजस्वी वक्ता हैं। उनका मानना है, हिन्दी हमारी अस्मिता की पहचान और भारत की आत्मा है। हिन्दी को विश्वभाषा बनाने के लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना होगा।

वेनेजुएला के तेल से अमेरिका को युद्ध की कीमत 28 गुना वसूल : ट्रंप

वॉशिंगटन, (स्पूतनिक)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका देश वेनेजुएला के तेल के जरिए वहां हुए अपने युद्ध की लागत से '28 गुना' पहले ही वसूल कर चुका है। उन्होंने यह भी कहा अमेरिका इससे 'मोटी कमाई भी कर रहा है।' श्री ट्रंप ने कहा, उस युद्ध को जीतने में सिर्फ 48 मिनट लगे। हम वहां से लाखों बैरल तेल बाहर लेकर आये। यह आंकड़ा श्री ट्रंप के करीब एक हफ्ते पहले के पिछले दावे से अलग है, जब उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने उस पैसे की '42 गुना' भरपाई कर ली है। यह बयान अमेरिका के जनवरी में वेनेजुएला के खिलाफ शुरू की गयी सैन्य आक्रामकता के महीनों बाद आया है। सैन्य कार्रवाई के कारण वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण कर लिया गया था।

समान सोच, समान मान्यता और परस्पर विश्वास वाले देशों को साथ मिलकर काम करने की जरूरत : जयशंकर

नयी दिल्ली (वार्ता)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि दुनिया में मौजूदा जटिल स्थितियों को देखते हुए समान सोच, समान मान्यता और परस्पर विश्वास वाले देशों के एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है।

दक्षिण कोरिया की यात्रा पर गये श्री जयशंकर ने वहां के विदेश मंत्री चो ह्यून के साथ वार्ता से पहले प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि दुनिया के मौजूदा हालातों को देखते हुए यह बैठक प्रासंगिक तथा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा , मैं आपसे सहमत हूँ कि हमारी यह बैठक बिल्कुल सही समय पर हो रही है। सही समय पर इसलिए भी क्योंकि हाल ही में राष्टपति का भारत दौरा हुआ है और इसलिए भी क्योंकि दुनिया के मौजूदा हालात और इस थोड़ी जटिल दुनिया में हमारे रिश्तों की अहमियत बहुत ज़्यादा है।

कोरियाई विदेश मंत्री के साथ न्यूयॉर्क, कुआलालंपुर और वाशिंगटन में मुलाकातों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रियों के तौर पर दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाना हमारी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हमें यह देखना है कि सरकार और हमारी अर्थव्यवस्था के अलग-अलग हिस्से एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते हैं और उनमें कैसा तालमेल है। और मैं कहूँगा कि इस मुश्किल दुनिया में हमें एक ऐसा रिश्ता बनाना है जो भविष्य पर केंद्रित हो और आज के दौर के हिसाब से हो। और मंत्री जी, मुझे लगता है कि ऐसी दुनिया में खास तौर पर उन देशों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की ज़रूरत है जिनकी सोच एक जैसी हो, जिनकी मान्यताएँ समान हों और जिनके बीच गहरा आपसी भरोसा हो।

श्री जयशंकर ने कोरिया के साथ संबंधों को प्रगाढ बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा , भारत और कोरिया के रिश्तों में अभी बहुत संभावनाएं हैं जिन्हें साकार किया जाना बाकी है - जैसा कि हम दोनों तरफ के लोग महसूस करते हैं - और हम ऐसा करने की पूरी कोशिश करेंगे।

विदेश मंत्री ने उम्मीद जतायी कि दोनों देशों के बीच बैठक में सार्थक बातचीत होगी।

अलीगंज अग्निकांड में 15 बच्चों की मौत रोकी जा सकती थी : अखिलेश

लखनऊ, (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि सुरक्षा मानकों का समय रहते पालन किया गया होता तो 15 छात्रों की जान बचाई जा सकती थी।

सपा मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में श्री यादव ने कहा कि अलीगंज की घटना अत्यंत दुखद है और यह लखनऊ में पहली बार नहीं हुई है। उन्होंने कहा, कुंभ में कई बार आग लगी, लेवाना होटल अग्निकांड हुआ, लेकिन जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। सरकार ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

उन्होंने आरोप लगाया कि बचाव कार्य के दौरान पर्याप्त संसाधनों का अभाव था। उनके अनुसार, घटनास्थल पर दीवार तोड़ने के लिए आधुनिक उपकरण उपलब्ध नहीं थे और हथौड़ों से दीवार तोड़ने का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने कहा, यदि समय पर दीवार काटी जाती तो बच्चों की जान बचाई जा सकती थी। सरकार और प्रशासन समय पर नहीं जागे।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार पुराने मामलों का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से प्रदेश में भाजपा की सरकार है, इसलिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

श्री यादव ने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपने बच्चों को खोने से बड़ा कोई दुख नहीं होता। उन्होंने कहा, बच्चों को खोने का दर्द केवल उनके परिवार वाले ही समझ सकते हैं। दिखावे के आंसू बहाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने राज्य सरकार से मृतक छात्रों के परिजनों को पर्याप्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग करते हुए कहा कि प्रत्येक प्रभावित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि सोमवार को लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग में 15 छात्रों की मौत हो गई थी। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया है और अब तक चार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है।

तेल की कीमतों में राहत का लाभ जनता तक पहुंचाए सरकार : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (वार्ता)। हरियाणा में सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का लाभ देश की जनता तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देकर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई जाती हैं, तो कीमतों में कमी आने पर उपभोक्ताओं को भी राहत मिलनी चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से आम जनता लगातार महंगाई की मार झेल रही है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और परिवहन लागत में वृद्धि का सीधा असर खाद्य पदार्थों, कृषि लागत और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है।

ईरान-अमेरिका के बीच 30 जून से फिर होगी बातचीत : पाकिस्तान

इस्लामाबाद, (वार्ता)

पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत एक अस्थायी रोक के बाद अगले मंगलवार यानी 30 जून से दोबारा शुरू होगी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने यहां पत्रकारों से कहा कि स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक में सोमवार को दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच कई घंटों तक चली लंबी चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने साफ किया कि यह एक छोटा-सा ब्रेक है और बातचीत का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। मध्यस्थ देश पाकिस्तान और कतर की तकनीकी टीमें आने वाले हफ्तों में अमेरिका-ईरान के साथ मिलकर काम करती रहेंगी। इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य पिछले हफ्ते अमेरिकी-ईरानी राष्ट्रपति हस्ताक्षरित इस्लामाबाद समझौता पत्र के तहत अगले 60 दिनों के भीतर एक अंतिम और व्यापक शांति समझौता तैयार करना है। ईरानी सरकारी मीडिया और वहां के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी के हवाले से सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने भी इस कूटनीतिक प्रगति की पुष्टि की है। स्विट्जरलैंड में मंगलवार को संपन्न हुई तकनीकी स्तर की वार्ता में दोनों देश बातचीत आगे बढ़ाने के लिए चार विशेष कार्यसमूह बनाने पर सहमत हो गये हैं। ये कार्यसमूह मुख्य रूप से प्रतिबंधों को पूरी तरह खत्म करने, परमाणु मामलों, पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और इस समझौते की निगरानी के साथ इसे लागू करने जैसे अहम मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। श्री अंद्राबी ने इस साझा प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस्लामाबाद समझौता पत्र और स्विट्जरलैंड शिखर सम्मेलन ने साबित कर दिया है कि विवादों को सुलझाने, वैश्विक तनाव को कम करने के लिए कूटनीति और आपसी बातचीत ही सबसे असरदार हथियार हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

डॉ. देव की चिंता सृष्टि को सोचने पर मजबूर करती है : गुलकी जोशी

अभिनेत्री गुलकी जोशी ने कहा है कि सोनी सब के धारावाहिक यादें के आगामी एपिसोड में डॉ. देव की देखभाल और समर्पण सृष्टि को यह सोचने पर मजबूर कर देगा कि क्या कुछ रिश्ते वास्तव में कभी पीछे छूट पाते हैं।सोनी सब का शो 'यादें' अपने हास्य, भावनात्मक पलों और मेडिकल कहानियों के अनूठे मिश्रण के लिए दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। आगामी एपिसोड्स में कहानी एक भावनात्मक मोड़ लेती है, जब डॉ. सृष्टि अग्रवाल गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करती हैं। कहानी के अनुसार, डॉ. देव की भूमिका निभा रहे इकबाल खान अपनी पूर्व पत्नी और अस्पताल की प्रशासनिक प्रमुख सृष्टि अग्रवाल की बिगड़ती हालत को लेकर चिंतित हो जाते हैं। सृष्टि को याददाश्त में कमी, शारीरिक तालमेल बिगड़ने और नींद में चलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। हालांकि वह अपनी बीमारी को स्वीकार नहीं करना चाहतीं, लेकिन डॉ. देव लगातार उनके इलाज और देखभाल में जुटे रहते हैं। जैसे-जैसे देव और सृष्टि के बीच नजदीकियां बढ़ती हैं, अर्जुन पुंज द्वारा निभाए जा रहे दिग्विजय और सृष्टि सिंह द्वारा निभाई जा रही डॉ. वाणी के जीवन में भी भावनात्मक उलझनें पैदा होने लगती हैं। गुलकी जोशी ने कहा, इस ट्रैक की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें मेडिकल चुनौतियों के साथ भावनात्मक पल, गर्मजोशी और हास्य भी है। सृष्टि ऐसा किरदार है, जिसे दूसरों पर निर्भर रहना पसंद नहीं है, इसलिए वह मदद लेने से बचती रहती है। लेकिन डॉ. देव लगातार उसका ख्याल रखने की कोशिश करते रहते हैं। उन्हें इतने प्रयास करते देख सृष्टि सोचने लगती है कि क्या कुछ रिश्ते कभी सच में पीछे छोड़े जा सकते हैं।

'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी संग दोबारा काम करना यादगार रहा : चिन्मय मांडलेकर

निर्देशक चिन्मय मांडलेकर ने कहा है कि फिल्म गवर्नर- द साइलेंट सेवियर में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ दूसरी बार काम करना उनके लिए बेहद संतोषजनक और यादगार अनुभव रहा।चिन्मय मांडलेकर ने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा करते हुए मनोज बाजपेयी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'गवर्नर' उनके करियर के विशेष अनुभवों में से एक है। चिन्मय ने लिखा, गवर्नर मेरे लिए एक बेहद संतोषजनक अनुभव रहा। मनोज जी, एक बार फिर मुझ पर भरोसा करने के लिए आपका धन्यवाद। फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है। यदि आपने अब तक नहीं देखी है, तो जरूर देखें।

'गवर्नर- द साइलेंट सेवियर' के लिए चिन्मय मांडलेकर और मनोज बाजपेयी दूसरी बार साथ आए हैं। इससे पहले दोनों ने इंस्पेक्टर जेंडे में साथ काम किया था, जिसे दर्शकों और समीक्षकों की सराहना मिली थी।

वास्तविक घटनाओं से प्रेरित राजनीतिक थ्रिलर 'गवर्नर- द साइलेंट सेवियर' को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म की सफलता और मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ से यह संकेत मिलता है कि चिन्मय मांडलेकर और मनोज बाजपेयी की निर्देशक-अभिनेता जोड़ी प्रभावशाली और दमदार कहानियां प्रस्तुत करने में सफल रही है।

ऐल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है : आलिया भट्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने कहा है कि यशराज फिल्म्स की आगामी एक्शन फिल्म ऐल्फा की शूटिंग उनके करियर के सबसे यादगार और आनंददायक अनुभवों में से एक रही है। आलिया भट्ट ने का मानना है कि यह फिल्म लिंग की सीमाओं से परे जाकर 'ऐल्फा' सोच और आत्मविश्वासपूर्ण एटीट्यूड का जश्न मनाती है।

यशराज फिल्म्स की इस बड़े बजट की एक्शन फिल्म में आलिया भट्ट और शर्वरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म को भारत की पहली ऐसी बड़े पैमाने की पॉपकॉर्न एक्शन फिल्म माना जा रहा है, जिसके केंद्र में दो महिला सुपरस्टार्स हैं। आलिया ने कहा, ऐल्फा की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक था। एक्शन, भव्यता और रोमांच से भरी इस दुनिया में कदम रखना बेहद उत्साहजनक था। इस फिल्म ने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था और मुझे इसका हर पल पसंद आया। आलिया भट्ट ने कहा कि उन्हें सबसे अधिक खुशी इस बात की है कि फिल्म की कहानी दो महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पूरी एक्शन कथा को आगे बढ़ाती हैं। उन्होंने कहा, ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। इसका हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी हुई। ऐल्फा एक एटीट्यूड का जश्न है और बड़े पर्दे पर मनाए जाने वाला एक शानदार सिनेमाई उत्सव है। आलिया ने बताया कि फिल्म के निर्माण से जुड़े सभी लोगों का उत्साह इस परियोजना को विशेष बनाता है। उन्होंने कहा कि निर्देशक, कलाकारों, एक्शन टीम और पूरे क्रू के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा और वह हर सुबह सेट पर जाने का बेसब्री से इंतजार करती थीं। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और शिव रवैल निर्देशित 'ऐल्फा' तीन जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

या हुसैन के नारों से गूंजा नगर

कुर्सी अलम का निकला विशाल जुलूस

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

करबला के मैदान में हक और इंसानियत की हिफाजत के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले इमाम हुसैन और उनके 72 जानिसारों की शहादत को याद करते हुए नगर में मोहर्रम का पर्व अकीदत के साथ मनाया जा रहा है। मंगलवार मोहर्रम की 7 तारीख को कुर्सी अलम-मेहंदी ताजिया का विशाल जुलूस बड़े ही एहतराम के साथ निकाला गया। शाम के वक्त शास्त्री वार्ड स्थित नया बस स्टैंड से कुर्सी अलम का जुलूस रवाना हुआ। चौकी चावड़ी, महावीर भवन, शक्ति चौक , श्याम टॉकीज, शिवालय चौक,शुक्रवारा बाजार,झंडा चौक होते हुए अपने मुकाम पहुंचा। पूरे रास्ते या हुसैन, या हुसैनञ की सदाएं गूंजती रहीं । जुलूस में बच्चे, बुजुर्ग, नौजवान बड़ी तादाद में अकीदत के साथ शामिल हुए। हसनी हुसैनी सोसायटी द्वारा शक्ति चौक पर हजरत अब्बास अलमदार की शान में लगाए गए परचम के सामने लोबान-खुशबू पेश कर जुलूस का इस्तकबाल किया गया। कुर्सी अलम ताजिया

जुलूस का मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। परचम के पास देर रात तक विशेष मजमा लगा रहा। रंग-बिरंगी विद्युत साज-सज्जा के बीच लाउडस्पीकर पर शहीदी कलाम गूंजते रहे। हजारों लोगों ने नियाज-फातेहा में शिरकत कर शरबत तबर्रुक हासिल किया। जुलूस मार्ग पर अकीदतमंदों ने खिदमत के लिए लंगर, शरबत और ठंडे पानी का इंतजाम किया था। मोहर्रम पर्व नगर में गंगा-जमुना तहजीब की मिसाल बना हुआ है । इशा की नमाज के बाद नगर के इमामबाड़ों की सवारियां बाबाओं की आमदके साथ रन करने निकलीं। शहनाई की शहीदी धुन के बीच सवारियों ने दरगाहों व इमामबाड़ों में हाजरी पेश की। बड़ेवली इमामबाड़ा, मुकरबा दरगाह शरीफ, बावली दरगाह शरीफ, दादी माँ, गरीब नवाज चौकी, सुल्तान बाबा, बंगला वाले इमामबाड़ा, कामथ वार्ड मस्जिद के पास लगे परचम, मदीना दरबार सहित सभी इमामबाड़ों पर देर रात तक मजमा लगा रहा। कई मुरादियों ने बाबाओं से मुलाकात कर मन्नतें मांगी। शक्ति चौक के पास हजरत सैयद बाबा की दरगाह शरीफ पर चादर-संदल पेश किया गया। जायरीनो द्वारा सभी दरगाहों पर चादर और संदल पेश किया जा रहा है। चावड़ी वार्ड बड़ेवली के पास मुक्कू बाबा के यहा रोजाना मगरिब की नमाज के बाद लंगर जारी है । जुलूस और सवारियों के रूट पर जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा । मोहर्रम मजमा लगने वाले क्षेत्र ने भी पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है । एसडीएम मणिन्द्र सिंह, एसडीओपी ललित डागुर व नगर निरीक्षक अशोक चौहान ने सभी लोगो से मोहर्रम का पर्व सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाने की अपील की है।

नेता प्रतिपक्ष के आगमन पर स्वागत

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के मंडला दौरा के दौरान नारायणगंज आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने गमछा पहनाकर तथा पुष्पमालाओं से उनका अभिनंदन किया। नारायणगंज बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर पहुंचकर उमंग सिंघार ने विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि कामना की। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन की मजबूती क्षेत्रीय समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में विकास कार्यों जनता की

समस्याओं तथा प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर अपने विचार रखे। उमंग सिंघार ने कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरता से सुनते हुए जनता के हितों की आवाज को मजबूती से उठाने और संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक निवास चैनसिंह वरकड़े सहित नारायणगंज नगर एवं ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा पूरे क्षेत्र में कांग्रेस संगठन की एकजुटता का संदेश गया।

दाऊदी बोहरा समाज ने मनाया यौम ए आशूरा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। दाऊदी बोहरा जमात गाडरवारा द्वारा हजरत इमाम हुसैन(अ.स) की शहादत दिवस पर स्थानीय बोहरा मस्जिद में यौम - ए आशूरा मनाया गया। बोहरा समाज ने झंडा चौक से बोहरा मस्जिद तक मक़तल का जुलूस निकाला जिसमें समाजजनों द्वारा नोहा मर्सिया पढ़े गये एवं पुरजोश मातम किया गया जुलूस में या हुसैन या अली अब्बास की आवाजें गूंजती रही। यौम ए आशूरा प्रतिवर्ष मोहर्रम की 10वीं तारीख को मनाया जाता है। उस दिन हजरत इमाम हुसैन(अ.स) धर्म की रक्षा की खातिर इराक के करबला शहर में वहा के शासक यज़ीद इब्ने मुआवीया के साथ जंग करते हुए अपने 72 साथियों के साथ शहीद हो गए। इस मौके पर बड़ी संख्या में दाऊदी बोहरा समाज मौजूद रही ।

टिकरिया पुलिस की जागरूकता रैली

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत थाना टिकरिया द्वारा व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला स्तर से आए प्रचार-प्रसार वाहन एवं पुलिस टीम ने क्षेत्र में भ्रमण कर नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय ने किया। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। फर्जी लिंक ओटीपी साझा करने बैंक खाते की जानकारी मांगने सोशल मीडिया हैकिंग ऑनलाइन लोन एवं निवेश के नाम पर धोखाधड़ी जैसे मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को सतर्क एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है। जागरूकता रैली के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाजार क्षेत्र सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। नागरिकों को समझाया गया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपनी बैंकिंग जानकारी ओटीपी पासवर्ड अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर सकता है अथवा साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकता है।

विद्यार्थियों को मिलेगा गीता ज्ञान का अवसर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। युवाओं एवं विद्यार्थियों के नैतिक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास के उद्देश्य से इस्कॉन मंडला एवं अवन्तिकुलम ट्राइबल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मंडला विजडम ओलम्पियाड का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती वंदना गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया पोस्टर विमोचन के दौरान श्रीमती वंदना गुप्ता ने कहा कि भगवद्गीता आधारित यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के नैतिक एवं सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे बच्चों और युवाओं को जीवन के उद्देश्य सफलता की वास्तविक परिभाषा तथा सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में सहायता मिलेगी आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में पंजीयन शुल्क मात्र 20 रुपये रखा गया है। सभी प्रतिभागियों को गीतासार पुस्तक प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित होगी प्रथम चरण की परीक्षा गीतासार पुस्तक पर आधारित रहेगी वहीं प्रथम चरण में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भगवद्गीता यथारूप की निःशुल्क प्रति प्रदान की जाएगी तथा द्वितीय चरण की परीक्षा इसी पुस्तक पर आधारित होगी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए आकर्षक पुरस्कार भी निर्धारित किए गए हैं। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

मंत्री राव की पहल पर राज्यसभा सांसद नारोलिया ने दिए 35 लाख

करेली

विधानसभा क्षेत्र गाडरवारा एवं तेंदूखेड़ा की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विविध विकास कार्यों हेतु मध्य प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की पहल पर राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया द्वारा सांसद विकास निधि से 35 लाख की राशि स्वीकृत की है। तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र की जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत ग्राम बंधा में शंकर मंदिर के पास सीसी चबूतरा एवं छत निर्माण हेतु 5 लाख रुपए, ग्राम सिहोरा में आंतरिक नाली निर्माण हेतु 10 लाख रुपए, ग्राम कामती में छोटू के मकान से साहू के मकान की ओर सीसी सड़क निर्माण हेतु 5 लाख रुपए, विधानसभा क्षेत्र गाडरवारा की जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम आमगांव छोटा में चिकलौडिया मोहल्ला में सार्वजनिक टीन शेड निर्माण हेतु 5 लाख रुपए, ग्राम घूरपुर में आंतरिक सीसी सड़क एवं नाली निर्माण हेतु 5 लाख रुपए, ग्राम धनोरा में जगदीश मेहरा की दुकान से प्रहलाद रजक की ओर सीसी सड़क निर्माण हेतु 5 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। उक्त विकास कार्यों की सौगात हेतु ग्रामजनों ने माननीय मंत्रीजी एवं माननीय राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अतिथियों ने नेता प्रतिपक्ष को बताई पीड़ा

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)

रानी दुर्गावती बलिदान दिवस घुघरी का मंच बुधवार को अतिथि शिक्षकों की हुंकार का गवाह बना। घुघरी ब्लॉक के अतिथि शिक्षक प्रतिनिधि मंडल ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को घेरकर लंबित मांगों का ज्ञापन भी दिया। सिंघार ने मंच से ही ऐलान कर दिया आपकी मांगें जायज हैं सदन में पूरी दल-बल के साथ सरकार को हमेशा ललकारते आए हैं और इस सत्र में भी ललकारेंगे। प्रतिनिधि मंडल को अपने पास बुलाकर सिंघार ने उनकी बात सुनी। अतिथि शिक्षकों ने 2008 से जारी

शोषण नौकरी की असुरक्षा का दर्द बयां किया। सिंघार ने आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी हमेशा अतिथि शिक्षकों के साथ खड़ी है। पहले भी सदन में आपकी आवाज उठाई है आगे भी पूरी ताकत से लड़ेंगे उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच यह बात कही। ज्ञापन सौंपने के बाद प्रतिनिधि मंडल ने नेता प्रतिपक्ष का आभार जताया। अतिथि शिक्षकों ने कहा कि पहली बार किसी बड़े नेता ने अपने पास बुलाकर सम्मान के साथ उनकी समस्या सुनी है। उम्मीद है अब विधानसभा में हमारी पीड़ा गूंजेगी और 18 साल का वनवास खत्म होगा। अतिथि शिक्षक 2008 से कम मानदेय पर अनिश्चित रोजगार का काम करते आ रहे हैं। न नौकरी पक्की न सम्मानजनक वेतन।

गूंजी भक्ति की अविरल धारा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला जेल मंडला में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान डीजेजेएस शाखा मंडला द्वारा 22 से 24 जून तक आयोजित किए जा रहा है। त्रि-दिवसीय श्री हरि कथा का 22 जून को अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस पर जेल परिसर का माहौल पूरी तरह से भक्तिमय और आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के पहले दिन संस्थान के पूज्य संतों ने दिव्य अवतारों और उनकी लीलाओं का सुंदर विवेचन किया। संतों ने संगीतमय भजनों के माध्यम से कैदियों को समझाया कि ईश्वर की भक्ति ही जीवन के अंधकार को मिटाकर प्रकाश की ओर ले जाने का एकमात्र मार्ग है। कथा श्रवण के लिए जेल के कैदियों में भारी उत्साह देखा गया। उल्लेखनीय है कि संस्थान के संतों द्वारा पूर्व में दिए गए ब्रह्म ज्ञान के कारण कैदियों के व्यवहार में जो सकारात्मक और असाधारण सुधार दर्ज किया गया था उसका असर कथा के प्रथम दिन स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। ये कैदी अनुशासित शांतचित्त और गंभीर मुद्रा में कथा रस का पान करते दिखे।

उपचाररत बाघ की हुई मौत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुक्की क्वारंटाईन सेन्टर में लंबे समय से उपचाररत एक वन्यजीव बाघ की मृत्यु हो गई है उल्लेखनीय है कि उक्त बाघ को 4 जून को हाथी गश्ती के दौरान बीट किसली के कक्ष क्रमांक 777 स्थान सन्दूक खोल के पास अत्यंत अस्वस्थ अवस्था में देखा गया था वरिष्ठ अधिकारियों के त्वरित निर्देशन में बाघ का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे गहन उपचार हेतु मुक्की क्वारंटाईन सेन्टर भेजा गया था प्रारंभिक जांच में बाघ में केनाईन डिस्टेम्पर रोग से संबंधित लक्षण पाए गए थे। इसके बाद वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी कान्हा टाइगर रिजर्व नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों तथा वाईल्डलाईफ कंजरवेशन ट्रस्ट के वन्यजीव चिकित्सकों के संयुक्त दल द्वारा बाघ का सतत निरीक्षण और गहन उपचार किया जा रहा था बाघ की जान बचाने के लिए देश के वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सकों एवं प्रतिष्ठित संस्थानों से भी विशेष तकनीकी सलाह व प्रयास किए गए परंतु तमाम कोशिशों के बावजूद बाघ को बचाया नहीं जा सका।

महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से महापौर प्रीति सूरी ने मंगलवार सायंकाल मेयर इन कार्उंसिल सदस्यों एवं निगम अधिकारियों के साथ मदन मोहन चौबे वार्ड एवं गाटर घाट स्थित कर्बला शरीफ पहुंचकर व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। महापौर ने कहा कि मोहर्रम पर्व नगर की सांस्कृतिक एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे में नगर निगम की जिम्मेदारी है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित

वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विशेष साफ-सफाई अभियान, पर्याप्त पेयजल व्यवस्था, सुगम आवागमन, निर्बाध विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उसका त्वरित निराकरण किया जाए, ताकि आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी सहयोग एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, जिससे मोहर्रम पर्व पूरी श्रद्धा, आस्था, भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, बीना बैनर्जी, सुरेंद्र गुप्ता, उमेंद्र अहिरवार, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, वंदना यादव, समाजसेवी दानिश अहमद साहित निगम के संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चेकिंग के दौरान पकड़े गए अवैध वेंडर

कटनी (स्वतंत्रमत)। रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को रेलवे प्रशासन द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से सामग्री बेच रहे अवैध वेंडरों पर शिकंजा कसा गया। औचक निरीक्षण में नावेद खान सीसीआई, एचके शुक्ला एसएमसी,

बलवेंद्र प्रताप सिंह सीएचआई शामिल रहे। इस दौरान कटनी स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों पर अवैध रूप से घूमकर सामान बेच रहे वेंडरों में हड़कंप मच गया। टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए अवैध वेंडरों को रंगे हाथों पकड़ा। पकड़े गए अवैध वेंडरों से बेची जा रही सामग्री को तत्काल जब्त कर लिया गया। जब्त किए गए सामान को रेलवे के पार्सल ऑफिस में जमा कराया गया।

मुहर्रम पर्व को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने धर्मगुरुओं एवं गणमान्य नागरिकों के साथ की समन्वय बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से 23 जून को पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य द्वारा जिले के धर्मगुरुओं, ताजिया कमेटियों के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पुलिस सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्थाओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना गया। साथ ही मुहर्रम के दौरान

जुलूस मार्ग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा कर आवश्यक जानकारी साझा की गई।

समाधान की दिशा में 175 प्रकरणों का हुआ परीक्षण

कलेक्टर ने एक-एक आवेदन पर लिया फीडबैक

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई इस बार केवल आवेदन सुनने तक सीमित नहीं रही, बल्कि कई मामलों में तत्काल कार्रवाई और समाधान की दिशा में प्रशासनिक सक्रियता भी देखने को मिली। जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे 175 आवेदकों ने अपनी समस्याएं कलेक्टर आशीष तिवारी के समक्ष रखीं। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों से मौके पर ही जवाब-तलब किया और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतें लेना नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर समस्याओं का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करना है। इस दौरान अधिकारियों की पूरी टीम एक ही

मंच पर मौजूद रही, जिससे विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाकर मामलों का तेजी से निराकरण किया जा सका।

भूमि, सीमांकन और छात्रवृत्ति मामलों पर दिखी त्वरित पहल–जनसुनवाई में भूमि सीमांकन, राजस्व अभिलेख सुधार, खेत तक पहुंच मार्ग और छात्रवृत्ति से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रकरण सामने आए। इन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। कई आवेदनों में कलेक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों को फोन कर स्थिति स्पष्ट की और जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा। इससे आवेदकों को अपनी समस्याओं के निराकरण की दिशा में तत्काल भरोसा मिला। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, जिला प्रबंधक लोक सेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में प्रशासन की यह सक्रियता इस बात का संकेत मानी जा रही है कि जिले में शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

खाद भंडारण की समस्या से जूझ रही समिति

गोदाम निर्माण हेतु भूमि आवंटन की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)

क्षेत्र के किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा खाद भंडारण की समस्या के स्थायी समाधान के लिए रासायनिक खाद विक्रय केंद्र बाकल में गोदाम निर्माण हेतु भूमि आवंटित किए जाने की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में को-ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लिमिटेड, घंटाघर कटनी द्वारा जिला प्रशासन को आवेदन प्रस्तुत किया गया है। सोसायटी द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि वर्तमान में खाद भंडारण के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण उर्वरकों के रख-रखाव एवं वितरण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका सीधा असर किसानों पर पड़ता है और कई बार उन्हें समय पर खाद प्राप्त नहीं हो पाती। सोसायटी का कहना है कि यदि बाकल में गोदाम निर्माण के लिए भूमि आवंटित कर दी जाती है तो बड़ी मात्रा में खाद का सुरक्षित भंडारण किया जा सकेगा। इससे किसानों को आवश्यकतानुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध होगा तथा कृषि कार्यों में आने वाली परेशानियां भी कम होंगी। बताया गया है कि इस संबंध में विभाग द्वारा जन सुनवाई कलेक्टरेट कटनी, अनुविभागीय अधिकारी

(राजस्व) बहोरीबंद तथा तहसील कार्यालय बाकल को भी आवेदन प्रस्तुत कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। किसानों एवं क्षेत्रवासियों ने भी प्रशासन से शीघ्र भूमि आवंटन कर गोदाम निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र के कृषकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कम जगह के कारण खाद कम मात्र मे रख पाते है वार बार खाद लाने ले जाने मे भाडा के साथ समय लगता है जिससे किसानो को परेशानी होती है।

मुहर्रम पर्व को लेकर कटनी पुलिस सतर्क

कटनी (स्वतंत्रमत)। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के नेतृत्व में कटनी शहर एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आमजन, व्यापारियों एवं संभ्रांत नागरिकों से संवाद स्थापित कर क्षेत्र की स्थिति एवं आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने कहा कि कटनी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के वातावरण में संपन्न कराना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा असामाजिक तत्वों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कटनी पुलिस ने आमजन को आगाह किया है कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ, आपत्तिजनक अथवा धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली पोस्ट, टिप्पणी या सामग्री साझा करने वालों की सतत निगरानी की जा रही है। ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कटनी में फल-सब्जी मंडी व्यापारियों का आरोप

अवैध वसूली, धमकी और धोखाधड़ी से व्यापारिक माहौल बिगड़ा, सख्त कार्रवाई की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले की कृषि उपज मंडी समिति अंतर्गत फल-सब्जी मंडी प्रांगण में व्यापारियों ने अवैध वसूली, धोखाधड़ी, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियों का आरोप लगाते हुए मंडी प्रशासन से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। व्यापारी संघ के अनुसार, मंडी सचिव को 22 जून को दोबारा शिकायत सौंपकर संबंधित व्यक्ति की अनुज्ञप्ति तत्काल निरस्त करने और निष्पक्ष जांच कराने का अनुरोध किया गया है। अगर अब शिकायत पर जल्द कार्यवाही नही हुई तो उग्र आंदोलन की चेतावनी भी व्यापारियों ने दी है। व्यापारियों का आरोप है कि शासकीय शेड में स्थान दिलाने के नाम पर लगभग

20 व्यापारियों से 10-10 हजार रुपये अवैध रूप से लिए गए, लेकिन न तो जगह दी गई और न ही रकम लौटाई गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि रकम वापस मांगने पर व्यापारियों को गालियां दी गईं और उन्हें एससी-एसटी प्रकरण में फंसाने तथा जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत पत्र में कृष्णहरि खटीक उर्फ सोनू खटीक पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। व्यापारियों ने दावा किया है कि आरोपी खुद को प्रभावशाली लोगों से जुड़ा बताकर दबाव बनाता है और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देता है, जिससे मंडी का माहौल भयग्रस्त हो गया है। व्यापारी संघ ने पुराने आपराधिक प्रकरण का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार, 12 अक्टूबर 2023 को मंडी प्रांगण में सब्जी व्यापारी रंजीत कछवाहा के साथ मारपीट की घटना हुई थी, जिसकी रिपोर्ट थाना कुठला में अपराध क्रमांक 841/2023 के तहत धारा 294, 323, 325, 506, 34 भा.दं.सं. में दर्ज है। मंडी कानून के तहत अनुज्ञप्ति रद्द करने, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने और मंडी प्रांगण में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई का प्रावधान मौजूद है। राज्य मंडी बोर्ड द्वारा 27 अप्रैल 2026 तक अद्यतन मंडी अधिनियम और संबंधित उपविधियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई गई हैं।

संगठन को मजबूत बनाने कांग्रेस की लगातार कवायद

कटनी (स्वतंत्रमत)। कांग्रेस द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार बैठकों का दौर जारी है। वहीं कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित लोगों को पार्टी से जोड़ते हुए संगठन में दायित्व सौंपे जा रहे हैं। साथ ही वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह रविवार को जिले की विजयराघवगढ़ विधानसभा में ब्लाक, मंडलम तथा ग्राम समितियों के गठन को लेकर पार्टी के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर

जोर दिया। विजयराघवगढ़ विधानसभा मुख्यालय में आयोजित बैठक में कांग्रेस पदाधिकारियों ने वरिष्ठ कांग्रेस जनों का सम्मान करते हुए ब्लाक, मंडलम और ग्राम स्तर समितियां गठित कर पार्टी के संगठन मजबूत बनाने बल दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुंवर सौरभ सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आगामी दिनों में त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव होने हैं ऐसे में संगठन को मजबूत करने हेतु पार्टी की विचारधारा से प्रभावित लोगों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ते हुए पार्टी क दायित्व सौंपे जिससे पार्टी जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत हो सके। वहीं दूसरी ओर विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत कैमोर में भी पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में विधानसभा प्रभारी मयंक त्रिपाठी, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष गणेशराव, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नीरज सिंह बघेल, संदीप बाजपेयी, शक्ति तिवारी, संगठन महामंत्री जितेन्द्र सिंह, बब्लू खान, श्रीकांत गुप्ता सहित बड़ी संख्या पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाद्य तेलों के दामों में बड़ी गिरावट, उपभोक्ताओं को राहत

सोयाबीन, सरसों और मूंगफली तेल 10 से 15 रुपए प्रति किलो तक सस्ते, बाजार में नरमी का रुख कायम

कटनी (स्वतंत्रमत)। स्थानीय बाजार में खाद्य तेलों के दामों में इस समय लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। कारोबारियों के अनुसार सरकार की सख्ती, बाजार में कमजोर मांग और आगामी तिलहन उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद के चलते सोयाबीन, सरसों, मूंगफली सहित सभी प्रमुख खाद्य तेलों के भाव में 10 से 15 रुपए प्रति किलो तक की कमी आई है। व्यापारियों के अनुसार बाजार में फिलहाल पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, जबकि खपत अपेक्षाकृत कमजोर बनी हुई है। इसके चलते स्टॉकिस्टों द्वारा लगातार बिकवाली बढ़ाई जा रही है, जिसका सीधा असर कीमतों पर पड़ रहा है। कटनी मंडी में पिछले एक सप्ताह से खाद्य तेलों

के भाव में नरमी का रुझान स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। डिब्बा पैक तेलों के दामों में भी गिरावट आई है। सोयाबीन तेल का 15 किलो टिन जो पहले 2600 से 2650 रुपए के बीच बिक रहा था, अब घटकर लगभग 2450 रुपए तक पहुंच गया है। मूंगफली तेल का टिन 3000-3100 रुपए से घटकर करीब 2750 रुपए और सरसों तेल का टिन 2900 रुपए से घटकर लगभग 2750 रुपए पर आ गया है। खुले बाजार में भी प्रति किलो कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। सोयाबीन तेल लगभग 165 रुपए से घटकर 155 रुपए प्रति किलो, मूंगफली तेल 210 रुपए से घटकर 180-185 रुपए प्रति किलो, सनलावर तेल 200 रुपए से घटकर 170-175 रुपए प्रति किलो, पाम ऑयल 160- 165 रुपए से घटकर 152-153 रुपए प्रति किलो, सरसों तेल 185-190 रुपए से घटकर 170-175 रुपए प्रति किलो और राइस ब्रान तेल 155-160 रुपए से घटकर 145-150 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। व्यापारियों का कहना है कि फिलहाल उपभोक्ताओं को राहत मिली है, लेकिन बाजार की दिशा आगामी तिलहन उत्पादन, मानसून की स्थिति और अंतरराष्ट्रीय बाजार के रुझानों पर निर्भर करेगी। वर्तमान में कटनी मंडी में खाद्य तेल बाजार में नरमी का रुख जारी है।

ट्रकों से डीजल चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय, हाईवे पर ट्रकों को बना रहे निशाना

650 लीटर डीजल पार बड़वारा थाना क्षेत्र में एक रात में तीन वारदातें

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले से निकलने वाले दोनों नेशनल हाईवे पर एक बार फिर डीजल चोर गिरोह सक्रिय हो गया है, जो हाईवे से निकलने वाले ट्रकों को निशाना बना रहे हैं। ढाबों के बाहर खड़े भारी वाहनों से डीजल चोरी कर वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। पिछले दिनों झिंझरी पुलिस चौकी के अंतर्गत गुलवारा ब्रिज के नीचे 300 लीटर डीजल चोरी की वारदात के बाद अब बड़वारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो अलग-अलग घटनाओं में तीन ट्रकों से 650 लीटर से अधिक डीजल चोरी होने की घटना सामने आई है। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई

है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़वारा थाना क्षेत्र स्थित पंचवटी ढाबा में गुरुनानक वार्ड निवासी गिरीश बड़गैंया के ट्रक क्रमांक एमपी 20 जेडएन 5610 और एमपी 16 एचएमपी 16 एच 1228 के चालक भोजन के बाद ट्रकों में ही सो गए थे। सुबह उठने पर दोनों ट्रकों के डीजल टैंक के लॉक टूटे मिले और उनमें भरा 300 लीटर से अधिक डीजल गायब था। घटना की शिकायत बड़वारा थाने में दर्ज कराई गई है। इसी रात बड़वारा थाना क्षेत्र के विलायतकला स्थित कुशवाहा ढाबा के पास खड़े ट्रक सीजी 10 सीबी 8029 से भी करीब 350 लीटर डीजल चोरी कर लिया गया। ट्रक मालिक हरमीत सिंह खुराना ने बताया कि चालक वाहन में सो रहा था, तभी अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। उनका आरोप है कि शिकायत लेकर थाने पहुंचने पर भी तत्काल सुनवाई नहीं हुई।

थाना विजयराघवगढ़ की अवैध रेत के विरुद्ध कार्यवाही

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य व अनुविभागीय अधिकारी वीरेन्द्र धार्वे के मार्गदर्शन पर निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ की पुलिस टीम के द्वारा अवैध रूप से रेत परिवहन पर रोक लगाते हुये धारा 106 बीएनएसएस के

तहत की गई जब्ती की कार्यवाही। 21 जून को गश्त दौरान नदीपार पानी टंकी के पास विजयराघवगढ़ रोड पर एक लाल रंग का महिन्द्रा कंपनी का ट्रेक्टर की ट्राली में रेत परिवहन करते हुये मिलने पर वाहन को रोका, ट्रेक्टर चालक दिनेश केवट पिता तम्मा केवट उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम गुड़ेहा थाना विजयराघवगढ़ द्वारा बिना वैद्य दस्तावेज के ट्रेक्टर ट्राली में रेत भरकर परिवहन करते पाये जाने पर ट्रेक्टर बिना नम्बर का चेसिस नम्बर क्ष्क्ष्क्ष्ध्ङ्स्क्त७४५ इंजन नम्बर ऋ२श्ह१६९२ को धारा 106 बीएनएसएस के तहत जब्त कर वाहन चालक के विरूद्ध धारा 4/21 खान खनिज अधिनियम के तहत इस्तगासा क्रमांक 19/26 कायम कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण खनिज शाखा कटनी को भेजा गया है।

कटनी में सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा अभियान का शुभारंभ

पुलिस अधीक्षक ने साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देशन में 24 जून से 08 जुलाई 2026 तक प्रदेशव्यापी साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में कटनी जिले में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने पुलिस कंट्रोल रूम परिसर से साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर अभियान

का शुभारंभ किया। यह रथ आगामी 15 दिनों तक जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देगा तथा जागरूकता संबंधी पम्पलेट एवं प्रचार सामग्री वितरित करेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया, डीएसपी हेडक्वार्टर रत्नेश मिश्रा, डीएसपी अजाक शिवा पाठक, थाना प्रभारीगण एवं अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान के दौरान जिलेभर में साइबर सुरक्षा कार्यशालाएं, जनसंवाद, जागरूकता रैलियां, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, लघु फिल्म प्रदर्शन तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही पुलिस थानों, चौकियों एवं सार्वजनिक स्थलों पर साइबर सुरक्षा संबंधी बैनर-पोस्टर प्रदर्शित कर आमजन को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। कटनी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक, मैसेज या ऑनलाइन लेन-देन के प्रति सतर्क रहें तथा साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

हिमान्द्री सिंह
लोक प्रिय सांसद
संसदीय क्षेत्र
शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

जयसिंह मरावी
लोक प्रिय विधायक
विधानसभा क्षेत्र
जैतपुर
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

मनीषा सिंह
लोक प्रिय विधायक
विधानसभा क्षेत्र
जयसिंहनगर
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
कमल प्रताप सिंह
पूर्व जिला अध्यक्ष
जिला शहडोल

पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

शरद कोल
लोक प्रिय विधायक
विधानसभा क्षेत्र
ब्यौहारी
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत 31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
सुदेश जैन (प्राचार्य)
एवं समस्त अध्यापकगण

विद्या सागर हॉयर सेकेन्ड्री स्कूल (बुढ़ार)
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
शुकालू पटेल (संचालक)
सांई मेडिकल स्टोर
सिंहपुर, जिला - शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
अजय अवस्थी
जिला अध्यक्ष
कांग्रेस कमेटी
जिला शहडोल

पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ 25 जून 2026, प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

राजकुमार सरावगी
प्रतिष्ठित व्यवसायी

छोटे लाल सरावगी
पूर्व विधायक भाजपा

शालनी सरावगी
(अध्यक्ष)
नगर परिषद बुढ़ार
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026 प्रकाशन के
31साल बेमिसाल

विमलेश मिश्रा
(विम्मू भैया)
वरिष्ठ भाजपा नेता
(सांसद प्रतिनिधि)

डॉ.राजेश मिश्रा
(भाजपा सांसद)
संसदीय क्षेत्र सीधी
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
डॉ.विनम्र जैन
संचालक

पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026, प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

रविन्दर कौर छाबड़ा
अध्यक्ष नगर पालिका
परिषद धनपुरी

अमित तिवारी
सीएमओ

हनुमान
खण्डेलवाल
उपाध्यक्ष
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

पवन गलवानी चीनी
प्रतिष्ठित व्यवसायी
समाजसेवी
अमलाई
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026, प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

घनश्याम जायसवाल
अध्यक्ष
निशांत सिंह ठाकुर
सीएमओ
नगर पालिका परिषद शहडोल

प्रवीण शर्मा
(छोली भैया)
(उपाध्यक्ष)
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
सावित्री भगत
जिला आबकारी अधिकारी
जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
हम देते है उत्कृष्ट शिक्षा सामाजिक
सरोकार परिष्कृत व्यक्तित्व
कुलपति — प्रो.रामशंकर
कुलसचिव — प्रो.सरिता चौहान
पंडित शंभुनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
के.पी.पटेल
कार्यपालन यंत्री
सहायक यंत्री एवं समस्त उपयंत्री
आर.ई.एस.विभाग
जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल

मनोज गुप्ता
संचालक
प्रतिष्ठित व्यवसायी
मनोज टी.व्ही.एस
बुढ़ार रोड जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत 31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
राधेश्याम गुप्ता(संचालक), रैनबो पब्लिक स्कूल
केशवाही, जिला - शहडोल

पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
विवेक तिवारी
एस.डी.ओ.
लोक स्वास्थ्य
यांत्रिकी विभाग
जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
राजीव लघाटे
सी.ई.ओ.
एवं समस्त स्टॉफ
जनपद पंचायत
बुढ़ार
जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
बी.एस.पेन्ड्रो
एस.डी.ओ.
जनपद पंचायत
बुढ़ार
जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
अशोक चतुर्वेदी बद्री पाण्डेय
विजय यादव
प्रतिष्ठित व्यवसायी
समाज सेवी बुढ़ार जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
डॉ.राजेश मिश्रा
मुख्य चिकित्सा एवं
स्वास्थ्य अधिकारी
जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
आनंद राय सिन्हा
सहायक आयुक्त
आदिमजाति कल्याण विभाग
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दैनिक स्वतंत्र मत
31वां वर्षगांठ, 25 जून 2026
प्रकाशन के 31साल बेमिसाल
दीपक सचदेवा
संचालक
गोपाल मेडिकल
जिला शहडोल
पाठकगणों एवं विज्ञापन दाताओं को
हार्दिक बधाई और बहुत बहुत शुभकामनाएं

दुधारू पशुओं की वितरण पद्धति का आधार अति-गरीब को प्राथमिकता हो : राज्यपाल

दुग्ध संग्रहण एवं विपणन की व्यवस्था को मजबूत करें

पशुपालन एवं डेयरी विभाग समीक्षा बैठक सम्पन्न

भोपाल (स्वतंत्र मत)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना के हितग्राहियों को दुग्ध संग्रहण एवं विपणन की मजबूत व्यवस्था उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाए। उन्होंने कहा कि हितग्राही को उत्पादित दुग्ध का उचित मूल्य दिलाने के लिए परिवहन व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। विभागीय अथवा थर्ड पार्टी समन्वय से आवश्यक वाहनों की उपलब्धता पर विचार किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को लोक भवन में आयोजित पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। बैठक में प्रदाय पशुओं के स्वास्थ्य, देखभाल एवं मॉनिटरिंग व्यवस्थाओं, हितग्राहियों को पशुपालन प्रशिक्षण, वनाधिकार पट्टा धारकों को लाभान्वित करने और हितग्राही अंशदान के संबंध जानकारी दी गई। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि मुख्यमंत्री दुधारू पशु योजना अति-गरीब के पोषण और सतत् आजीविका की पहल है। योजना की सफलता के लिए अति-गरीब को प्राथमिकता वितरण पद्धति का आधार होना चाहिए। उन्होंने अति-पिछड़ी जनजातियों बैगा, भारिया और सहरिया के अति-गरीब को प्राथमिकता से लाभान्वित करने के प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आबादी के अनुपात में वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। योजना की जानकारी के लिये अति-पिछड़ी जनजातियों के बीच प्रचार-प्रसार किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पशु वितरण कार्यक्रम में लाभान्वित महिला हितग्राहियों के माध्यम से पशुपालन व्यवस्थाओं और परिवार की आय में बढ़ोतरी के संबंध में जानकारी प्रदान करने की पहल करें। योजना की उपलब्धियों का वर्षवार चित्रात्मक विवरण संधारित किया जाए।

राज्यपाल श्री पटेल ने गुजरात राज्य में जनजातीय बहुल क्षेत्र में दुग्ध संजीवनी योजना के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पशु प्रदाय योजना के हितग्राहियों को परिवार के बच्चों के लिए दुग्ध की उपलब्धता को सुनिश्चित करने की समझाइश दी जाए। विभाग के द्वारा 2 महिला, 2 पुरुष अधिकारियों को बनासकांठा के डेयरी उद्योग का अध्ययन करने के लिए गुजरात राज्य भेजने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल श्री पटेल को प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री उमाकांत उमराव ने बताया कि प्रदेश के किसानों, पशुपालकों को मोबाइल पर ही पशुओं के पोषण संबंधी जानकारी दी जा रही है। साथ ही वैज्ञानिक तरीके से पशुओं को आहार मिले, इसके लिए विभाग द्वारा गोरस मोबाइल ऐप तैयार कराया गया है। यह ऐप पूरी तरह से सरल हिंदी भाषा में विकसित किया है। इसके लिए नेट की भी आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ब्रीडर एसोसिएशन का विकास किया जा रहा है। इसमें एक ही नस्ल के 20 से अधिक पशुओं के प्रमाणीकरण के द्वारा उन्नत नस्ल के पशुओं की राज्य में ही आपूर्ति के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बताया कि योजना क्रियान्वयन के लिए 5 वर्षों के प्रावधान और बजट वृद्धि की गई है। प्रति इकाई पशु कीमत को भी बढ़ाया गया है। बीमा की भी व्यवस्थाएं की गई है। कार्य क्षेत्र 12 से बढ़ाकर 24 जिलों में किए जाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। उमरिया जिले के समस्त हितग्राहियों को 2 पशु प्रदान करने की उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा योजना अंतर्गत 100 लीटर दुग्ध संकलन क्षेत्रवार दुग्ध सहकारी संस्थाएं बनाई जा रही हैं। इन समितियों के सचिव के रूप में हितग्राहियों को अतिरिक्त आय भी उपलब्ध होगी। उन्होंने प्रदाय पशुओं के स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में बताया कि वितरण पश्चात् तीन माह तक पुनः आकलन कर हितग्राहीवार समीक्षा की जा रही है। पशु चिकित्सक द्वारा साप्ताहिक भ्रमण कर आवश्यक उपचार, टीकाकरण एवं डीवर्मिंग कराई जा रही है। नोडल अधिकारी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया जाता है। इस अवसर पर जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, जनजातीय प्रकोष्ठ की सदस्य सचिव मीनाक्षी सिंह, प्रकोष्ठ के सदस्य, लोक भवन और पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मंदसौर पुलिस की बड़ी सफलता

एमडी ड्रग निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़

13 किलो 850 ग्राम एमडी ड्रग एवं 9 किलो 109 ग्राम केमिकल जप्त दो आरोपी गिरफ्तार

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंदसौर पुलिस ने सिंथेटिक ड्रग्स के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित एमडी ड्रग निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 13 किलो 850 ग्राम एमडी ड्रग, 09 किलो 109 ग्राम रासायनिक पदार्थ एवं ड्रग निर्माण में प्रयुक्त उपकरण जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मीना के निर्देशनथाना नई आबादी पुलिस की विशेष टीम ने ग्राम बाजखेड़ी स्थित एक खेत पर बने पक्के मकान पर दबिश देकर अवैध ड्रग निर्माण फैक्ट्री का खुलासा किया। प्रारंभिक पूछताछ में प्राप्त तथ्यों के आधार पर सिंथेटिक ड्रग्स के निर्माण, परिवहन एवं तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों और नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस द्वारा इस अवैध कारोबार से जुड़े संपूर्ण नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध कठोर एवं निरंतर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अनुज अहिरवार बने खाद्य सुरक्षा अधिकारी

हटा (स्वतंत्र मत)। बीआरसी एमएल अहिरवार के पुत्र अनुज अहिरवार का चयन खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर हुआ है। अनुज ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा अधिकारी परीक्षा में प्रदेश स्तर पर नौवां स्थान प्राप्त कर जिले व नगर का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता में परिजनों, गुरुजनों और मित्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अनुज की उपलब्धि पर नगर में हर्ष का माहौल है।

572 नव आरक्षकों के बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ

449 महिला एवं 123 पुरुष नव आरक्षक प्राप्त करेंगे आधुनिक पुलिसिंग, कानून, साइबर अपराध एवं जनसेवा आधारित प्रशिक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश पुलिस पेशेवर , संवेदनशील एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग को सुदृढ़ करने के लिए अपने मानव संसाधनों के क्षमता विकास पर निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी परिसर स्थित पुलिस प्रशिक्षण शाला (पीटीएस), भौंरी, भोपाल में 5वें नव आरक्षक बैच के 572 नव आरक्षकों के बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ पुलिस उप महानिरीक्षक (ग्रामीण), भोपाल राजेश सिंह चंदेल के मुख्य आतिथ्य मेंहुआ। इस बैच में 449 महिला एवं 123 पुरुष नव आरक्षक शामिल हैं, जो पुलिस बल में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता और सशक्त उपस्थिति को भी रेखांकित करता है। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के मार्गदर्शन में संचालित यह प्रशिक्षण सत्र नव आरक्षकों को शारीरिक दक्षता, विधिक ज्ञान, पुलिसिंग कौशल, तकनीकी समझ, नेतृत्व क्षमता तथा जनसेवा के मूलभूत मूल्यों से परिचित कराएगा। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बदलते अपराध परिदृश्य, साइबर अपराध, महिला एवं बाल सुरक्षा, सामुदायिक पुलिसिंग तथा नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग के विभिन्न आयामों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। ताकि वे आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप प्रभावी, संवेदनशील एवं जनोन्मुखी पुलिसिंग के लिए तैयार हो सकें। कार्यक्रम में उपनिदेशक मध्यप्रदेश अकादमी, भोपाल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल, सहायक निदेशक प्रशिक्षण रश्मि पाण्डेय, उप पुलिस अधीक्षक नीरज नामदेव, राजीव त्रिपाठी, एडीपीओ सुचित्रा वर्मा, जितेंद्र अग्निहोत्री सहित मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी एवं पुलिस प्रशिक्षण शाला के वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव जैन ने की विभागीय समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे आमजन को सीधे राहत पहुंचाने वाली लोकसेवा गारंटी योजना और सी.एम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समय-सीमा में संतुष्टिदायक निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागाध्यक्षों से वार्षिक कार्य-योजना भी शीघ्र देने के लिए कहा है। मुख्य सचिव श्री जैन बुधवार को मंत्रालय में विभागीय कार्यों और योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी योजना के प्रकरणों का विभागाध्यक्ष साप्ताहिक रिव्यू और मानीटरिंग करें। निचले स्तर के अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा हो और समय-अवधि में ही

प्रकरण निराकृत हों। उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष कार्यालय तक तो प्रकरण आना ही नहीं चाहिए। इस दौरान विभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई और समय-सीमा में जबाव-दावा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि केबीनेट से स्वीकृत प्रकरणों में शत-प्रतिशत आदेश आदि हो जाएं। बैठक में वर्ष 1947 से पूर्व के कानूनों में पुनः संशोधन अथवा निरसन किए जाने की कार्यवाही की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि ऐसे कानून जिनकी अब जरूरत नहीं हैं- ठीक से परीक्षण कर लें और यथोचित प्रस्ताव प्रस्तुत करें। इस दौरान विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में आने वाले विधेयक और एक्ट आदि पर भी गहन चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने शीघ्र ही इस तरह के विधेयकों को तैयार कर केबीनेट के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए कहा है जिससे आगामी सत्र में उन्हें प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि पूर्व सत्रों के शून्यकाल, अपूर्ण प्रश्न, आश्वासन और लोकलेखा समिति की सिफारिशों संबंधी उत्तर विधानसभा को समय-सीमा में प्रस्तुत कर दिए जाएं। मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी शासकीय भवनों की छत पर सोलर पैनल लगाने के काम में तेजी लाएं और राज्य स्तर पर समन्वय के लिए जिलावार नोडल आफीसर नियुक्त करें।

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ कर मनाया गायत्री जयंती पर्व

हटा (स्वतंत्र मत)

गायत्री शक्तिपीठ में प्रथम दिवस मनमोहन सत्संग कक्ष में सूर्योदय से सूर्यास्त तक गायत्री जप परिजनों द्वारा किया गया। द्वितीय दिवस बुधवार को प्रातः 8 बजे से 12 तक दो पारियों में पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में परिजनों ने आहुतियां दी। यज्ञचार्य डॉ. सीएल नेमा ने युगऋषि के महाप्रयाण दिवस पर गायत्री महामंत्र की महिमा का बखान करते हुए अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने गायत्री की 24 महाशक्तियों की विशेष मंत्रों से आहुतियां दी गयी। गायत्री जयंती को श्रद्धा सुमन चढ़ाने का पर्व एवं संकल्पित होने का पर्व बताते हुए ज्ञान की गंगा का पर्व बताया। इस अवसर पर मुख्य यजमान द्वारा प्रखर प्रज्ञा एवं सजल श्रद्धा स्मारकों का पूजन किया गया। यज्ञ के दौरान हरिनारायण नेमा, राजनंदनी राजपूत, श्री नेमा का जन्म दिवस संस्कार, प्रज्ञा दुबे का नामकरण संस्कार एवं दो मुंडन संस्कार भी हुए। महेश राजपूत सेवानिवृत्त इंजी की नातिन काशवी राजपूत के जन्म दिवस पर 11 पौधों को गमला सहित शक्तिपीठ को प्रदान किये। संगीत की टोली में ब्रज लाल पटेल एवं एमपी बाथरे द्वारा प्रज्ञागीत की प्रस्तुति दी।

केंद्रीय विद्यालय हटा में अवलोकन एवं पठन हेतु संविधान की मूल प्रति संरक्षित की गई

हटा (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय विद्यालय हटा में केंद्रीय विद्यालय संगठन एवं भारत सरकार द्वारा भारत के संविधान की मूल प्रति पुनर्मुद्रित उपलब्ध कराई गई है जिसे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के अवलोकन और अध्ययन हेतु विद्यालय में संरक्षित किया गया है। बुधवार 24 को आयोजित प्रार्थना सभा में सभा प्रभारी सिद्धार्थ मणि त्रिपाठी ने संविधान की इस विशेष प्रति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसकी उपयोगिता से अवगत कराया। इसके पश्चात पुस्तकालयाध्यक्ष आनंद कुसमरिया ने संविधान की प्रस्तावना, लोकतंत्र, गणतंत्र, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य सहित संविधान सभा के गठन और योगदान पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। विद्यालय के प्राचार्य रितेश कुमार पटेल ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संविधान का नियमित अध्ययन करने तथा उसमें निहित मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

तेवरईया में साधकों ने मनाया गायत्री जयंती एवं गंगा दशहरा का महापर्व

हटा (स्वतंत्र मत)

समीपस्थ गायत्री चेतना केंद्र तेवरईया में गायत्री जयंती एवं गंगा दशहरा का दो दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा, साधना और वैदिक परंपरा के अनुसार संपन्न हुआ जिसमें साधकों द्वारा आत्म परिष्कार एवं विश्व कल्याण की कामना से प्रथम दिवस सूर्योदय से सूर्यास्त तक गायत्री महामंत्र का अखंड जाप किया गया तथा द्वितीय दिवस प्रात:कालीन बेला में मां गंगा एवं मां गायत्री का वैदिक रीति से पूजन कर गायत्री महायज्ञ किया गया, जिसका संचालन पंडित गिरधर पटेरिया एवं दिनेश दुबे द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया जप और यज्ञ दोनों ही आत्मशुद्धि तथा लोकमंगल के श्रेष्ठ साधन है। गंगा दशहरा की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि पुराणों के अनुसार ज्येष्ठ शुक्ल दसवीं की पावन तिथि पर महाराज भागीरथ की कठोर तपस्या से मां गंगा का अवतरण पृथ्वी पर हुआ। गंगावतरण की तिथि को दशहरा इसलिए कहते हैं क्योंकि इस दिन 10 विशेष ज्योतिष योग एक साथ होते हैं। दस योगों को हरा अर्थात प्रसन्न करने के कारण भगवती श्री गंगा दशहरा हैं। गायत्री और गंगा के आंतरिक गहन संबंध की विवेचना करते हुए उन्होंने बताया तीन चरणों वाली गायत्री त्रिपदा कहलाती हैं और तीन मार्गों वाली गंगा त्रिपथगा कहलाती है जो स्वर्ग, पाताल एवं धरती को पावन बनाती हैं। जिस प्रकार गंगा की पावनता कभी नष्ट नहीं होती उसी प्रकार गायत्री साधना भी कभी निष्फल नहीं जाती। गायत्री जयंती और गंगा दशहरा साधना का पर्व है भक्ति का पर्व है। इस अवसर पर नर्मदा असाटी ने स्वयं चालीस दिवसीय सवालक्ष गायत्री जाप का अनुष्ठान करने एवं तीन हजार साधकों से मंत्र लेखन कराने का संकल्प लिया, उनका एवं हिनोता से पधारे मुकेश लखेरा का स्वागत पीठ के सह व्यवस्थापक दुर्गा प्रसाद पटेल द्वारा किया गया। महायज्ञ में प्रज्ञा मंडल हिनोता, मुहरई, देवरा जामशा एवं हुसेना के परिजन सम्मिलित हुए।

मनसा देवी एवं सिद्ध क्षेत्र उमराहो में श्रद्धालुओं द्वारा पक्की सड़क एवं ग्रिल रैलिंग लगाने की माँग

पथरिया (स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत जमुनिया के ग्राम उमराहो में पहाड़ी पर प्राकृतिक सौंदर्य के मध्य माँ मनसा देवी मंदिर में विराजी हुई हैं। वही पहाड़ी के नीचे सिद्ध बाबा महाराज एवं सिद्ध पुरुष पल्टू बाबा की समाधि स्थली है। उक्त धार्मिक स्थलों पर वर्ष भर कथाएमुंडन, जन्मदिन, शादी, पिकनिक इत्यादि कार्यक्रम होते रहते है और मध्यप्रदेश के अलावा कई प्रदेशों से यहां लोग दर्शन मात्र के लिए दौड़े चले आते है। जैसा कि इस सिद्ध स्थल का नाम मनसा देवी हैए उसी प्रकार आसपास क्षेत्र के लोगों की यह आस्था है। यहां आकर जो सच्चे मन से मनोकामनाएं मांगते है। वह परिपूर्ण होती है। इसके अलावा यहां मौजूद पेड़ पौधों की हरियाली और विचरण करते हिरणों, मयूरों, खरगोशो, नीलगायों की वजह से अति मनोरम एवं सुंदर व सुकूनदायक हो जाता है।

उच्च शिक्षा विभाग की पहल

नए सत्र में महाविद्यालयों में होंगे मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल (स्वतंत्र मत)

उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में इंडक्शन (अभिमुखीकरण) कार्यक्रम के दौरान मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें तनाव, अवसाद एवं अन्य मनोवैज्ञानिक चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 1 जुलाई से प्रारंभ होने वाले नवप्रवेशित विद्यार्थियों के इंडक्शन कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, सकारात्मक सोच, ध्यान एवं जीवन कौशल जैसे विषयों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर काउंसलिंग एवं सहायता सेवाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को एंटी-रैगिंग नियमों, शिकायत निवारण तंत्र, मेंटर-मेंटी प्रणाली, साइबर बुलिंग से बचाव तथा जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। महाविद्यालयों में उपलब्ध काउंसलर, मेंटर, एंटी-रैगिंग समिति, आंतरिक शिकायत समिति एवं अन्य सहायता तंत्रों की जानकारी भी विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी महाविद्यालयों को निर्देशित किया है कि कार्यक्रम के लिए स्थानीय मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाए तथा नवप्रवेशित विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम के आयोजन से संबंधित प्रतिवेदन, फोटोग्राफ्स, वीडियो एवं समाचार प्रकाशन की प्रतियां विभाग को निर्धारित समय सीमा में भेजी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि यह पहल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित नेशनल टास्क फोर्स की अनुशंसाओं के अनुरूप की जा रही है। विभाग का मानना है कि विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, व्यक्तित्व विकास और समग्र कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को संस्थागत रूप दिया जा रहा है, जिससे महाविद्यालयों में सुरक्षित, समावेशी और सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण हो सके।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर में भवन क्रमांक LIG 68 श्री पी. मुरुगन पिता श्री पी. पॉल के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 20.02.2015 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री पी. मुरुगन पिता श्री पी. पॉल ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 21.03.2026 के माध्यम से श्रीमती रोशनी पटेल पति श्री अजय कुमार पटेल को विक्रय किया है। श्रीमती रोशनी पटेल पति श्री अजय कुमार पटेल द्वारा उक्त भवन अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

▶▶ टास्क पूरा करने पर रुपये देने का दिया था लालच

कैंसर विभाग के डॉक्टर से हुई साइबर ठगी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संजीवनीनगर थाने में 30 वर्षीय संदीप कुमार यादव निवासी जसूजा सिटी संजीवनी नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह मेडिकल कॉलेज जबलपुर में कैंसर विभाग में डॉक्टर है उसका टेलीग्राम एप में अकाउण्ट है। जिमसें एक यूजर तनवी जोशी नाम से मैसेज आया कि आपको टास्क दिया जायेगा टास्क के बदले में आपको भुगतान किया जायेगा। जिसके बाद उन्हें एक टेलीग्राम ग्रुप में एड कर लिया गया। इसी बीच टास्क देते हुए कुल 8 ट्रांजेक्शन करते हुये 1 लाख 23 हजार 462 रूपये डाले, जब उनके द्वारा उससे 55 हजार रूपये की और मांग की गई तो उसे शंका हुयी कि उसके साथ टेलीग्राम के माध्यम से अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी की है।

▶▶ गौशाला में बैठक का आयोजन

पौधे रोपकर लिया सुरक्षा का संकल्प

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सम्मेद गिरी गोसलपुर विद्यासागर सेवा आश्रम समिति दिव्योदय गोसलपुर में गौशाला के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों की बैठक संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया बैठक अनिल जैन द्वारा की गई। समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में संरक्षक अरुण जैन एवं उर्मिला जैन की वैवाहिक जीवन की वर्षगांठ पर पौधा रोपण किया गया। जिसमें आम, जामुन, कटहल, बरगद, पीपल के पौधों का रोपण किया गया तत्पश्चात गौशाला के गोवंश को हरा चारा खिलाकर मिष्ठान वितरण किया गया।

राजस्व मामले में तीनों मंडलों में अव्वल आया जबलपुर रेल मंडल

जबलपुर (स्वतंत्र मत । पमरे के जबलपुर रेल मंडल ने माल ढुलाई के क्षेत्र में चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के शुरुआती दो महीनों में ही मंडल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों मंडलों में सबसे अधिक कमर्शियल रेवेन्यू हासिल करने का गौरव प्राप्त किया । यह कामयाबी मंडल की बेहतर परिचालन दक्षता और ग्राहक-अनुकूल नीतियों का सीधा परिणाम है। अधिकारियों के मुताबिक कमल कुमार तलरेजा और डॉ. मधुर वर्मा के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग ने बेहतरीन तालमेल और योजनाबद्ध तरीके से काम किया। इसी सटीक रणनीति की बदौलत केवल दो महीनों 1 अप्रैल 2026 से 31 मई 2026 की अवधि में जबलपुर मंडल ने कुल 7.49 मिलियन टन माल का लदान किया। इस बंपर माल ढुलाई से रेलवे के खजाने में 748 करोड़ 54 लाख रुपये का रिकॉर्ड राजस्व आया है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

सुरक्षा तोड़कर सीएम के पास पहुंची महिला

मचा हड़कंप, लगाई मदद की गुहार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बुधवार को वीरांगना रानी दुर्गावती समाधि स्थल पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के सुरक्षा घेरे को तोड़ते हुए एक महिला आवेदन देते हुए उनके पैरों पर गिरने लगी। कुछ देर के लिए वहां अजीबोगरीब स्थिति निर्मित हो गई। हालांकि मुख्यमंत्री ने आगे बढ़ते हुए जब महिला से बात की तो मामला लोगों के समझ में आया। इस दौरान महिला ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह घमापुर निवासी है। उसके घर के ही समीप में रहने वाले कुछ बदमाश उसकी बेटी को परेशान करते हैं। शिकायत करने पर जब कार्यवाही नहीं हुई तो मजबूरन आप से गुहार लगानी पड़ी है। महिला ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उसकी बातों को गंभीरता से सुना और मदद का आश्वासन दिया है। चंद मिनटों के इस घटनाक्रम ने पूरे अमले में हड़कंप मचा दिया है।

सुअरमार बम पटककर फरार हुए बदमाश

जबलपुर। अधारताल थाने में 34 वर्षीय प्रीति सिंह निवासी व्हीकल मोड़ पटैल नगर, अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की सुबह घर के बाहर थी तभी पड़ौस में रहने वाले प्रिंस साहू एवं दक्ष राजपूत उसके घर के पास से निकले और पुरानी मकान संबंधी विवाद के कारण उसे धमकी देते हुये बोले कि आज रात तेरे घर में बम फिकवायेंगे तो उसने उनकी बातों को अनसुना कर दिया था और अपने काम में लग गयी थी। स्कूटी में दक्ष राजपूत एवं एक अन्य व्यक्ति आया, दक्ष राजपूत ने उसे गाली गलोज करते हुये प्रिंस साहू से दुश्मनी ली है अब भुगतो कहते हुये घर के आगन में 3 सुअरमार बम फैंके जो फूटकर बिखर गये।

दुर्गा का रूप लिए साहस, शौर्य की वह मूरत थी मुगलों को पराभूत कराती देवी की वह सूरत थी

वीरांगना रानी दुर्गावती के 463वें बलिदान दिवस पर हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

वीरांगना रानी दुर्गावती के 463वें बलिदान दिवस पर बुधवार को उनकी समाधि स्थल पर विविध आयोजन किए गए। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी आयोजन में हिस्सा लेने शहर पहुंचे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा की पुत्री रानी दुर्गावती, अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और साहसी थीं। नारी शक्ति का पराक्रम मां दुर्गावती के व्यक्तित्व में नजर आता है। उन्होंने मुगलकाल में अकबर जैसे शासक को कई युद्धों में धूल चटाई थी, ऐसी वीरांगना रानी दुर्गावती का आज 463वां बलिदान दिवस है। रानी दुर्गावती ने गौंडवाना साम्राज्य में 52 गढ़ों पर शासन किया। पति की असमय मृत्यु के बाद 5 साल के बेटे को सिंहासन पर बैठाया और 15 साल तक जनता की सेवा के लिए और क्षेत्र की रक्षा के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया।

500 वर्ष पूर्व हुआ था जन्म

मप्र की धरती पर लगभग 500 वर्ष पूर्व रानी दुर्गावती का जन्म हुआ, लेकिन आज पूरा देश और प्रदेश उन्हें आदर के साथ स्मरण करता है। हमारा सौभाग्य है कि प्रदेश सरकार के गठन के बाद मंत्रीपरिषद की पहली बैठक जबलपुर में रानी दुर्गावती को समर्पित कर आयोजित की गई थी। उनके आशीर्वाद से राज्य सरकार जनकल्याणकारी कार्यों के साथ आगे बढ़ी। इसके बाद दूसरी कैबिनेट बैठक रानी दुर्गावती की एक और राजधानी संग्रामपुर में आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि जबलपुर एयरपोर्ट का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर रखने का प्रस्ताव केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय को भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर उनकी समाधि स्थल ग्राम नर्रई नाला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कण कण में श्रद्धा का भाव- लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का नाम लेते ही महाकौशल और मप्र के कण कण में श्रद्धा का भाव जाग उठता है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती केवल एक वीर योद्धा नहीं थीं, बल्कि जल प्रबंधनए कृषि व्यवस्थाए आत्मसम्मान और मातृभूमि के प्रति समर्पण की अद्भुत प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने कहा कि तालाबों की श्रृंखला, जल संचयन और संसाधनों के उपयोग की उनकी व्यवस्था आज भी बड़े बड़े जल विशेषज्ञों को चकित करती है।

समाधि स्थल पर श्रद्धा सुमन किये अर्पित

कार्यक्रम की शुरूआत में ग्राम नर्रई नाला स्थित वीरांगना महारानी रानी दुर्गावती की समाधि स्थल पर उनके 463वें बलिदान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके तथा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ रानी दुर्गावती की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, निगम अध्यक्ष रिकुंज विजए जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन आदि उपस्थित रहे।

100 करोड़ की लागत से बन रहा संस्थान

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि जबलपुर में रानी दुर्गावती को समर्पित नया संस्थान 100 करोड़ रूपए लागत से मदन महल के पास तैयार हो रहा है, बहुत जल्द इसका लोकार्पण भी किया जाएगा। इस संस्थान के माध्यम से भावी पीढ़ी रानी दुर्गावती के गौरवशाली अतीत और कार्यों से परिचित होंगी। जबलपुर में रानी दुर्गावती के नाम पर एक चिड़ियाघर और वन्यप्राणी रेस्क्यू सेंटर बना रही है। इसके साथ ही 35वीं बटालियन मंडला का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर रखा है। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइकेने वीरांगना रानी दुर्गावती के संबंध में ओजपूर्ण कविता से अपने उदबोधन की शुरूआत करते हुये अड़े खड़ी दीवार बनेएसदैव से प्रेम की दीवानी, तूफानों से हार न मानीएमरकर हुई अमर रानी, मरकर हुई अमर रानी पंक्तियों पढ़ी।

वाहन पूलिंग और वीसी के जरिए पैरवी की अपील मप्र हाईकोर्ट ने ईंधन बचाने के दिए निर्देश

मुख्यपीठ सहित प्रदेश के सभी खंडपीठों के लिए जारी हुई एडवाइजरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

देश में ईंधन संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और न्यायिक कार्यों को प्रभावित हुए बिना संचालित करने के उद्देश्य से मप्र हाईकोर्ट ने नई एडवाइजरी जारी की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के आदेश पर लागू यह व्यवस्था जबलपुर मुख्यपीठ, इंदौर और ग्वालियर खंडपीठ सहित प्रदेश की सभी जिला अदालतों, न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ताओं पर लागू होगी। मप्र हाईकोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि न्यायालयों में उपलब्ध सरकारी वाहनों का उपयोग केवल न्यायिक और प्रशासनिक कार्यों के लिए किया जाए।
अधिकारियों और कर्मचारियों के निवास स्थान के आधार पर रूट और लोकैलिटीवार वाहन योजना बनाई जाएगी तथा वाहनों की पूरी क्षमता का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही व्यक्तिगत वाहन सुविधा केवल आपातकाल, सुरक्षा, प्रोटोकॉल या चिकित्सीय जरूरत की स्थिति में ही दी जाएगी।

अस्थायी रूप से लागू हुई व्यवस्था

इसके अलावा अधिवक्ताओं और कर्मचारियों से सार्वजनिक परिवहन, कार पूलिंग और टू-व्हीलर पूलिंग अपनाने की अपील की गई है। आवश्यकता पड़ने पर व्यस्त मार्गों पर मिनी बस, ट्रैवलर या अन्य साझा परिवहन सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकती हैं। गाइडलाइन में वकीलों से विशेष रूप से कहा गया है कि जहां संभव हो, वे अपने मामलों की सुनवाई और पैरवी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करें। प्रशासनिक बैठकों और आधिकारिक चर्चाओं को भी वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने पर जोर दिया गया है। मप्र हाईकोर्ट ने वाहनों की ईंधन खपत की दैनिक निगरानी के निर्देश भी दिए हैं। वाहनों का उपयोग कार्य की आवश्यकता और प्राथमिकता के आधार पर तय किया जाएगा तथा इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। रजिस्ट्री ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था फिलहाल अस्थायी रूप से लागू की गई है, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन संरक्षण के प्रयासों में न्यायपालिका भी योगदान दे सके और न्यायिक कामकाज प्रभावित न हो।

मप्र सरकार भी जारी कर चुकी आदेश

मप्र हाईकोर्ट ही नहीं इससे पहले मप्र सरकार ने विगत 20 जून को मितव्ययिता और संसाधनों के बेहतर उपयोग को लेकर नए निर्देश जारी किए थे। इसके तहत अब आईएएस, आईपीएस और सचिव स्तर के अधिकारियों को दिल्ली, अन्य राज्यों या विदेश की शासकीय यात्रा से पहले मुख्य सचिव की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सरकार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा देने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, बिजली बचत, पीएनजी विस्तार, प्राकृतिक खेती और खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए 90 दिवसीय जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए थे।

महाप्रबंधक ने राजभाषा सरिता का किया विमोचन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पमरे मुख्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग और प्रसार को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 73वीं बैठक का आयोजन किया । बैठक की अध्यक्षता दिलीप कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर उन्होंने सरकारी कामकाज में हिंदी को प्रेरणा और प्रोत्साहन के साथ आगे बढ़ाने की बात कही। महाप्रबंधक ने कहा कि पमरे में राजभाषा के उपयोग में बेहतरीन प्रगति हुई है, लेकिन वार्षिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सभी विभागाध्यक्षों और कार्यालय प्रमुखों को ठोस और सामूहिक प्रयास करने होंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान महाप्रबंधक द्वारा मुख्यालय की त्रैमासिक राजभाषा पत्रिका राजभाषा सरिता' के 57वें अंक का गरिमामयी विमोचन भी किया गया। पत्रिका के नियमित और गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन पर उन्होंने पूरी टीम की सराहना की। बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एमएस हाशमी ने तिमाही के दौरान मुख्यालय, मंडलों और कारखानों में आयोजित की गई हिंदी कार्यशालाओं और साहित्यिक जयंतियों की रिपोर्ट पेश की। साथ ही, उन्होंने रेलवे बोर्ड स्तर पर पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड मिलने पर पूरी टीम को बधाई दी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**